

//-- सुविचार --//

जीवन खोज की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सृजन की प्रक्रिया है।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 06:32

अस्त : 05:22

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	22.0	06.0
जमशेदपुर	26.0	08.0
हजारीबाग	22.0	05.0
डालटनगंज	25.0	04.0

संक्षिप्त खबरें

पुलिस बनकर पञ्चभूषण कड़िया मुंडा से मांगी रंगदारी, मामला दर्ज



खूंटी। खूंटी के आठ बार सांसद रहे पूर्व लोक सभा उपाध्यक्ष पञ्चभूषण कड़िया मुंडा से पुलिस बनकर रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कड़िया मुंडा के करीबी डॉ निर्मल सिंह ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस सहित सीएमओ को एक्स पर दी है। डॉ निर्मल सिंह ने मंगलवार को बताया कि मोबाइल नंबर 8208746581 से कड़िया मुंडा के मोबाइल नंबर 9431108685 पर सोमवार को कई बार व्हाट्सएप कॉल कर पैसे की मांग की गई। कॉल करने वाला व्यक्ति खुद को पुलिस अधिकारी बताकर धमकी देता है और पैसों की मांग कर रहा है। कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे कड़िया मुंडा को इस तरह के कॉल से काफी परेशानी हो रही है। डॉ निर्मल सिंह ने पुलिस से इस मामले में संज्ञान लेने और उचित कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में साइबर थाना रांची में मामला दर्ज किया गया है।

सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में झारखंड बंद 17 को

रांची। करमटोली स्थित केंद्रीय धुमकुड़िया भवन में मंगलवार को विभिन्न आदिवासी संगठनों की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में पड़हा राजा सोमा मुंडा के हत्याओं की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि हत्याएं के विरोध में 16 जनवरी को मशाल जुलूस निकाला जाएगा और 17 जनवरी को पूरे झारखंड में बंद बुलाया जाएगा। मौके पर आदिवासी संगठन के विभिन्न प्रतिनिधियों ने कहा कि 07 जनवरी को सोमा मुंडा की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन खूंटी पुलिस अब तक असली अपराधियों तक नहीं पहुंच पायी है।

वैश्विक मंच पर धरती आबा की बेटियों की आत्मनिर्भरता से परिचित होगी दुनिया

सशक्त झारखण्ड, सशक्त नेतृत्व व समावेशी विकास पर बोलेंगी कल्पना सोरेन

नवप्रदेश संवाददाता

आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में और युनाइटेड किंगडम की अपनी यात्रा के दौरान वैश्विक मंच से देंगी। कल्पना सोरेन महिला नेतृत्व, लैंगिक समानता और समावेशी विकास से संबंधित कई उच्च स्तरीय मंचों पर राज्य का प्रतिनिधित्व कर झारखण्ड की आधी आबादी के आत्मविश्वास, उद्यमशीलता और नेतृत्व कौशल का प्रमाण प्रस्तुत करेंगी। वे आदिवासी, ग्रामीण और आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों की महिलाओं की वास्तविकताओं और आकांक्षाओं को वैश्विक मंच पर साझा कर बतायेंगी कि ये वे समूह हैं जो अब झारखण्ड के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन की वाहक बन रही हैं।

महिला सशक्तीकरण पर जोर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नेतृत्व में झारखंड सरकार राज्य की महिलाओं के उत्थान के लिए कई कार्य कर रही है। उसी कड़ी में दावोस में कल्पना सोरेन महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व, आर्थिक भागीदारी और सभी को समान अवसर देने पर केंद्रित नीतिगत संवादों और अंतर्राष्ट्रीय मंचों से संबोधित करेंगी। इनमें महिला सशक्तीकरण पर ब्रिक्स पैनल, ईटी महिला सशक्तीकरण संवाद और एल्यूमेंस फॉर ग्लोबल गुड का 'वी लीड' मंच और भारत पवेलियन में आधिकारिक कार्यक्रम आदि शामिल हैं। राज्य सरकार का महिला विकास के प्रति दृष्टिकोण कल्पना सोरेन इन वैश्विक मंचों पर प्रस्तुत करेंगी। वे बतायेंगी कि महिला विकास प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व पर आधारित नहीं है, बल्कि आर्थिक सशक्तीकरण और संस्थागत शक्ति पर आधारित है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहीं महिलाएं

दावोस में दुनिया को बताया जाएगा कि झारखण्ड राज्य आजीविका सर्वधन समिति (खरखर) के माध्यम से राज्य में 85 लाख से अधिक महिलाएं दो लाख 80 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। हाल के वर्षों में इन महिलाओं के सशक्तिकरण एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से 5000 करोड़ रु. से अधिक का ऋण स्वीकृत किया गया है। ये महिलाएं अब किसान, उद्यमी, बैंकर, कारीगर और विभिन्न आजीविका की सृजनकर्ता के साथ सम्मानजनक जीवन यापन करने वाली हैं। हाल के वर्षों में लखपति दीदी, पलाश, जोहार, झिमडी (JICA समर्थित सूक्ष्म ड्रिप सिंचाई), अदिया और आजीविका कैफे जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने हजारों महिलाओं को 1 लाख रुपये की वार्षिक आय सीमा पार करने में सक्षम बनाया है, जिससे झारखण्ड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में महिलाएं अपने नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवा रही हैं। पलाश ब्रांड के उत्पाद अब झारखण्ड को खुदरा बाजार के साथ साथ वैश्विक बाजारों में जा रहे हैं, उम्मीद है 2026 तक इस ब्रांड के तहत 45 करोड़ रुपये तक कारोबार पहुंचने का अनुमान है। साथ ही, झारखण्ड सरकार की मईय्या सम्मान योजना के तहत हर वर्ष लाखों महिलाओं को मिल रही 17 हजार करोड़ रुपये की सम्मान राशि से महिलाएं युवा झारखण्ड को सशक्त बनाने में महती भूमिका निभा रही हैं।

यूके में शिक्षा और कौशल विकास के मुद्दों पर होगी चर्चा

दावोस बैठक के बाद कल्पना सोरेन अपनी यात्रा के अगले चरण में युनाइटेड किंगडम में प्रस्तावित विभिन्न बैठक में भाग लेंगी। इसके तहत शिक्षा, कौशल विकास, जलवायु परिवर्तन और सांस्कृतिक विरासत पर राउंड टेबल चर्चाओं के साथ-साथ यूके सरकार के अधिकारियों और प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ बैठक में शामिल होंगी। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के साथ कल्पना सोरेन मराग गोमके स्कॉलरशिप के तहत उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे झारखंड के युवाओं की चुनौती को मिल रही। आने वाले दिनों में ये गतिविधियाँ समावेशी विकास, महिला नेतृत्व के प्रति भाव-यूके की साझा प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करेंगी।

राहत. पेशा नियमावली लागू होने के बाद झारखंड हाई कोर्ट ने हटायी रोक

बालू घाटों की नीलामी व

आवंटन का रास्ता साफ

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड में बालू घाटों की नीलामी और आवंटन का रास्ता साफ हो गया है। मंगलवार को झारखंड उच्च न्यायालय में पेसा कानून लागू नहीं किए जाने को लेकर दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने बालू घाटों के अलॉटमेंट पर लगी रोक हटा दी। झारखंड उच्च न्यायालय में पेसा नियमावली लागू नहीं किए जाने से संबंधित अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और पंचायती राज विभाग की ओर से अदालत को अवगत कराया गया कि राज्य में पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) की नियमावली लागू कर दी गई है। इस जानकारी के बाद उच्च न्यायालय ने अवमानना याचिका का निष्पादन करते हुए बालू घाटों की नीलामी के बाद आवंटन पर पूर्व में लगाई गई रोक को समाप्त कर दिया। उच्च न्यायालय के इस आदेश के साथ ही राज्य में बालू घाटों की नीलामी के उपरांत उनके आवंटन का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। पेसा नियमावली लागू नहीं होने के आरोप को लेकर आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की ओर से यह अवमानना याचिका दायर की गई थी। मामले की सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश महेश शरदचंद्र सोनक की अध्यक्षता वाली बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने पक्ष रखा, जबकि याचिकाकर्ताओं की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं। सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया

गया कि पेसा नियमावली लागू किए जाने के बाद संबंधित प्रक्रियाओं में अब कोई कानूनी बाधा शेष नहीं रह गई है। इसके आधार पर न्यायालय ने पूर्व में पारित आदेश को वापस लेते हुए याचिका का निष्पादन कर दिया। उल्लेखनीय है कि पेसा नियमावली का उद्देश्य अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को अधिक अधिकार देना है, विशेष रूप से प्राकृतिक संसाधनों

मकर संक्रांति : ठंड के बीच गजक, तिल के लड्डू व गुड़-पट्टी से सजी दुकानें

बाजार में तिल-गुड़ की मिठास

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। मकर संक्रांति के लिए राजधानी रांची के बाजारों में रैनक है। ठंड के बीच गजक, तिल के लड्डू और गुड़-पट्टी की खुशबू से बाजार सराबोर हैं। कारोबारियों के मुताबिक इस वर्ष संक्रांति के अवसर पर गजक और तिलकुट का कारोबार पिछले साल से अधिक होने की उम्मीद है। हालांकि, कच्चे माल की कीमतों में उछाल के कारण इस बार आम आदमी की जेब पर थोड़ा अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। रांची के अपर बाजार से लेकर सभी बाजारों में दुकानें सज गयी हैं और ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। हटिया के सिंहमोड़ स्थित दुकानदारों के अनुसार इस साल तिल, गुड़ और मूंगफली के दामों में तेजी है। इसका सीधा असर तैयार उत्पादों पर पड़ा है। गजक, तिलकुट और गुड़-पट्टी की कीमतों में पिछले साल के मुकाबले 10 से 15 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि हुई है। मजदूरी और परिवहन लागत बढ़ने के कारण उन्हें रेट बढ़ाने पड़े हैं, फिर भी ग्राहकों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है।

24 घंटे निगरानी में निपाह संक्रमित दो नर्स, स्थिति गंभीर

कोलकाता। निपाह वायरस से संक्रमित पश्चिम बंगाल की दो नर्सों की हालत फिलहाल गंभीर बनी हुई है। दोनों बारासात इलाके के एक अस्पताल में कार्यरत हैं और वहीं के आईसीयू आइसोलेशन वार्ड में उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल में कोविड काल के दौरान लाघू की गई सभी गाइडलाइनों को फिर से सख्ती से लागू किया गया है। संक्रमित नर्सों में से एक पूर्व बर्धमान जिले की निवासी हैं, जबकि दूसरी नंदिदा जिले से हैं। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, दोनों 5 जनवरी से शारीरिक रूप से अस्वस्थ थीं। उनकी स्थिति पर 24 घंटे कड़ी

त्योहार

2080 तक 15 जनवरी को मनेगी मकर संक्रांति

स्वास्थ्य

प. बंगाल में दस्तक के बाद विभाग सतर्क

15 जनवरी को ही मनेगी मकर संक्रांति

वाराणसी। मकर संक्रांति इस बार 15 जनवरी को मनेगी। ग्रहों के राजा सूर्य 15 जनवरी को धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मकर संक्रांति के दिन साधारण नदी भी गंगा के समान पुण्यदायिनी हो जाती है। ग्रहों के राजा सूर्य 15 जनवरी को धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। अब वर्ष 2080 तक मकर संक्रांति 15 जनवरी को ही मनाई जाएगी। इसके बाद फिर ज्योतिषीय गणना के अनुसार मकर संक्रांति की तिथि एक दिन आगे बढ़ जायेगी। यानी सूर्य का राशि परिवर्तन हर वर्ष 16 जनवरी को होगा। इस बार सूर्य का राशि परिवर्तन रात्रि 9:38 बजे हो रहा है। इसके साथ ही खरमास समाप्त होगा और मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे। इस बार वृद्धि योग, शुक्ल पक्ष द्वादशी तिथि और ज्येष्ठ नक्षत्र में गुरुवार (15 जनवरी) को मकर

संक्रांति मनाई जाएगी। शास्त्रों के अनुसार उत्तरायण की अवधि को देवताओं का दिन और दक्षिणायन को देवताओं की रात कहा जाता है।

ज्योतिषविद् आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन साधारण नदी भी गंगा के समान पुण्यदायिनी हो जाती है।

72 साल में एक दिन आगे बढ़ती है तारीख

ज्योतिषविदों के अनुसार हर वर्ष सूर्य के राशि परिवर्तन में लगभग 20 मिनट का विलंब होता है। इस प्रकार तीन वर्षों में यह अंतर एक घंटे का हो जाता है। 72 वर्षों में 24 घंटे का फर्क आ जाता है। सूर्य और चंद्रमा ग्रह मंगीय होते हैं, ये पीछे नहीं चलते। इसलिए तिथि में एक दिन की वृद्धि हो जाती है। इस लिहाज से वर्ष 2008 में ही 72 वर्ष पूरे हो गए थे। हालांकि छह वर्षों तक सूर्य का राशि परिवर्तन प्रातःकाल में होने से पूर्व काल मानते हुए मकर संक्रांति 15 जनवरी को ही मनाई जाती रही। इससे पहले सूर्य का राशि परिवर्तन संध्याकाल में होता था। वर्ष 1936 से मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही थी। वहीं 1864 से 1936 तक 13 जनवरी और 1792 से 1864 तक 12 जनवरी को मकर संक्रांति मनायी जाती थी।

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस से दो संदिग्ध मरीज मिलने के बाद झारखंड सरकार पूरी तरह सतर्क हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य के सभी जिलों के सिविल सर्जनों को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में तकलीफ प्रमुख लक्षण

निपाह वायरस के प्रमुख लक्षणों में शुरुआती बुखार, सिरदर्द, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में

खराश, तेज सिरदर्द, मास्टिष्क

अटैक, मानसिक सूजन (एन्सेफलाइटिस) और कोमा जैसी गंभीर स्थितियाँ शामिल हैं।

जानवर से इंसान में फैलने वाली बीमारी

ये एक अत्यंत खतरनाक जानवर से इंसान में फैलने वाली बीमारी है। निपाह वायरस मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों (फ्रूट बैट)

से फैलता है। इसके अलावा संक्रमित जानवरों, विशेषकर सूअरों के सीधे संपर्क, उनके संक्रमित मांस के सेवन या संक्रमित व्यक्ति के शरीर से निकलने वाले द्रवों (जैसे लार, रक्त आदि) के सीधे संपर्क में आने से भी यह संक्रमण फैल सकता है।

बीमारी की मृत्यु दर बहुत अधिक

इस बीमारी की मृत्यु दर बहुत अधिक है, जो प्रकोप की स्थिति के अनुसार 40 प्रतिशत से 75 प्रतिशत तक हो सकती है। यही कारण है कि निपाह वायरस को अत्यंत गंभीर और घातक रोग माना जाता है।

स्वास्थ्य मंत्री डा. इरफान का निर्देश

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि राज्य के सभी जिलों में सख्त निगरानी, त्वरित रिपोर्टिंग प्रणाली और जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं, ताकि लोगों को निपाह वायरस के लक्षण, बचाव और आवश्यक सावधानियों की पूरी जानकारी मिल सके और राज्य में इसके किसी भी संभावित प्रकोप को रोका जा सके। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार इस खतरनाक बीमारी की रोकथाम के लिए पूरी तरह मुस्तैद है और स्वास्थ्य विभाग की हर स्तर पर सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

शराब घोटाला मामले

चारजशीट दाखिल नहीं होने पर तीन कारोबारियों को डिफॉल्ट बेल

रांची। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा गिरफ्तार किए गए कारोबारी महेश शिंडगे, परेश ठाकोर और विक्रम ठाकुर को अदालत से डिफॉल्ट बेल मिल गई है। एसीबी की ओर से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आरोपपत्र (चारजशीट) दाखिल नहीं किए जाने के कारण विशेष अदालत ने उन्हें यह राहत प्रदान की। मंगलवार को रांची स्थित एसीबी की विशेष अदालत ने तीनों आरोपितों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। एसीबी ने पिछले साल अक्टूबर माह में इन आरोपितों को गुजरात से गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वे बिरसा मुंडा केन्द्रीय कारा, होटवार में न्यायिक हिरासत में बंद थे। जांच में सामने आया है कि आरोपितों की कंपनी ने वर्ष 2022-23 के दौरान झारखंड में शराब कारोबार से जुड़ी गतिविधियों के लिए मैनपावर की आपूर्ति की थी। मामले में अनिर्णीतताओं और भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर आरोप दर्ज हैं। गौरतलब है कि इस मामले के मुख्य आरोपी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी विनय चौबे सहित अन्य कई आरोपियों को भी इससे पहले चार्जशीट दाखिल नहीं होने के कारण डिफॉल्ट बेल मिल चुकी है। इससे एसीबी की जांच प्रक्रिया और समयबद्ध कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्रशासन को व्यापारियों की सुरक्षा को देनी होगी प्राथमिकता : चेंबर

रांची। झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के लॉ एंड आर्डर उप समिति की बैठक मंगलवार को चेंबर भवन में हुई। बैठक में कानून-व्यवस्था को लेकर विमर्श किया गया। राज्य की विधि-व्यवस्था, व्यापारियों की सुरक्षा, पुलिस गश्ती व्यवस्था, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और प्रशासनिक समन्वय जैसे विषयों पर बैठक में चर्चा की गई। बैठक में रामगढ़ जिले के भुरकुंडा क्षेत्र स्थित ज्वेलर्स दुकान में दिसंबर माह में घटित घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया गया। पीड़ित व्यवसायी की ओर से भुरकुंडा थाना में दिए गए आवेदन के पर चेंबर ने इस विषय पर संज्ञान लेते हुए रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक और झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र भेज कर त्वरित जांच, अपराधियों की गिरफ्तारी और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। बैठक में चेंबर उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि आपराधिक घटनाओं और आपराधिक तत्वों पर नियंत्रण बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को व्यापारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। लॉ एंड आर्डर उप समिति के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई, अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी जरूरी है, ताकि अपराधियों में प्रशासन का भय हो। चर्चा में जल्द ही पुलिस व्यवसायी समन्वय समिति की अगली बैठक आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। वहीं चेंबर के सह सचिव नवजोत अलंग ने कहा कि चेंबर की पहल पर थाना स्तर पर प्रत्येक माह होनेवाली बैठकों के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। व्यवसायी और पुलिस के बेहतर को आर्ीडिनेशन से थाना लेवल पर समस्याओं का समाधान हो रहा है।

झारखंड-ऑस्ट्रेलिया के बीच पशुपालन तकनीक के आदान-प्रदान पर सहमति, एमओयू की दिशा में पहल

पशुओं के नस्ल सुधार में ऑस्ट्रेलिया के प्रयोग को अपनायेंगे : नेहा तिकी

रांची। झारखंड में पशुओं के नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर मंगलवार को रांची में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिकी और ऑस्ट्रेलिया के एग्रीकल्चरल काउंसलर किरण करामिल शामिल हुए। इस दौरान पशुपालन तकनीक के आदान-प्रदान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ शीघ्र समझौता ज्ञापन (एमओयू) करने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में मंत्री शिल्पी नेहा तिकी ने कहा कि पशुपालन के क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की तकनीक विश्व स्तर पर सबसे उन्नत और सफल मानी जाती है। झारखंड सरकार इस तकनीक को अपनाकर राज्य के पशुपालकों और किसानों को इसका लाभ पहुंचाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि पशुओं



के नस्ल सुधार से विशेषकर गौ-पालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में आसानी होगी, जिससे उनकी आय में वृद्धि संभव है।

मंत्री तिकी ने बताया कि बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलिया सरकार या वहां के प्रतिष्ठित पशुपालन संस्थानों के साथ एमओयू करने की योजना पर

भी विचार किया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर विभागीय अधिकारियों की

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए एक व रा.प. के लिए 21 नामांकन



रांची। झारखंड की राजधानी रांची स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को संगठन पर्व के अंतिम वरण के तहत प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के चुनाव को लेकर गहमागहमी का माहौल रहा। पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव अधिकारी जुएल उरांव पूर्वाह्न 11 बजे प्रदेश कार्यालय पहुंचे। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ. प्रदीप वर्मा तथा सह चुनाव अधिकारी गणेश मिश्र और सुनीता सिंह से विचार-विमर्श किया। इसके बाद निर्धारित समयानुसार अपराह्न 12 बजे से 2 बजे तक नामांकन कक्ष में बैठकर नामांकन पत्र प्राप्त किए। नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत में जुएल उरांव ने बताया कि तय समय-सीमा के भीतर प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए एक तथा राष्ट्रीय परिषद सदस्य के लिए कुल 21 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और सांसद विद्युत वरण महतो नामांकन पत्रों के

प्रस्तुतकर्ता (प्रेजेंटर) रहे। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने नामांकन दाखिल किया। उनके प्रस्तावकों में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, केन्द्रीय मंत्री अन्गपूर्णा देवी, सांसद विद्युत वरण महतो, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, विकास प्रीतम एवं बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, पार्टी प्रवक्ता रमाकांत महतो तथा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह शामिल हैं। राष्ट्रीय परिषद के लिए नामांकन दाखिल करने वालों में कडिया मुंडा, अर्जुन मुंडा, समीर उरांव, यदुनाथ पांडेय, चंपई सोरेन, संजय सेठ, रघुवर दास, दिनेशानंद गोस्वामी, मधु कौंडा, पशुपति नाथ सिंह, रविंद्र कुमार राय, अमर कुमार बाउरी, नीलकंठ सिंह मुंडा, भानु प्रताप शाही, जीतुवर्ण राम, अभयकांत प्रसाद, प्रदीप वर्मा, अनंत ओझा, दीपक प्रकाश और गीता कोड़ा शामिल हैं। जुएल उरांव ने बताया कि 14 जनवरी को हरभू रोड स्थित कार्निवाल बैंक्वेट हॉल में प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के नामों की औपचारिक घोषणा की जाएगी।

झारखंड में शीतलहर के बीच तापमान में जारी रहेगा उतार-चढ़ाव



रांची। राज्य भर में शीतलहर के बीच तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। राज्य के कई जिलों में अभी भी शीतलहर चल रही है, जबकि कुछ इलाकों में दिन में गर्मी का एहसास होने लगा है। राज के जिन जिलों में आने वाले दिनों में शीतलहर चलने की संभावना है उनमें मंगलवार को राज्य के उत्तर पश्चिम और मध्यवर्ती जिले, जबकि बुधवार और गुरुवार को मध्यवर्ती उत्तर पश्चिम और राज्य के दक्षिणी जिलों में कहीं-कहीं शीत लहर चलने की संभावना है। इन जिलों में शीतलहर को लेकर मौसम विभाग ने मंगलवार को येतो अलर्ट जारी किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले लगभग 10

दिनों से राज्य के अधिकांश जिलों में शीतलहर चलने के कारण कड़के की ठंड पड़ रही है। गुमला, लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग और रामगढ़ में न्यूनतम तापमान लुढ़ककर पांच डिग्री से नीचे पहुंच गया था। हालांकि पिछले दो-तीन दिनों से धूप में तीसरा महसूस की जा रही है। इस वजह से न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में अधिकतम तापमान चाईबासा में 28 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 2.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इधर, मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह

से मौसम साफ रहा लेकिन दिनभर ठंडी हवाएं चलती रही। हालांकि धूप में काफी गर्मी भी महसूस की गई। वहीं,मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 21.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री, जमशेदपुर में 26.2 और 10 डिग्री, डालटेनगंज में 25 और 5.6 डिग्री, बोकारो में 23.1 और 7.1 डिग्री, चाईबासा में 28 डिग्री और 9.3 डिग्री, खूंटी में 23.8 और 4.2 डिग्री, लोहरदगा में 20.3 और 8.5 डिग्री, लातेहार में 17.3 और 8.9 डिग्री और सरायकेला में अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

ओएचई तार में फंसा लाल कपड़ा, बड़ा रेल हादसा टला

रांची। पूर्वी सिंहभूम जिले के बादामपहाड़ से टाटानगर आ रही पैसेंजर ट्रेन मंगलवार को दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। परसुडीह के मकदमपुर फाटक के समीप तकनीकी समस्या के कारण ट्रेन को घंटों रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन के ऊपर लगे ओवरहेड इन्विकपमेंट (ओएचई) तार में लाल रंग का एक बड़ा कपड़ा फंसा हुआ नजर आया। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए लोको पायलट ने झारखंड नगर के पास ही सतकर्ता बरतते हुए ट्रेन रोक दी और तत्काल इसकी सूचना रेलवे कंट्रोल को दी। लोको पायलट ने बताया कि यदि ट्रेन को आगे बढ़ाया जाता तो पैटोग्राफ के गिरने का खतरा था, जिससे ट्रेन पूरी तरह उप होने के साथ-साथ बड़ा तकनीकी नुकसान और दुर्घटना भी हो सकती थी। समय पर निर्णय लेकर ट्रेन रोक दिए जाने से एक बड़े हादसे को टाल लिया गया।

श्रीतिरुपति बालाजी मंदिर में मकर संक्रांति व धनुर्मास व्रत का समापन 15 को

रांची। दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में षट्तिला एकादशी व्रत का मान सबके लिये 14 जनवरी बुधवार को है। भगवान भूवन भास्कर-ऋषिकेश पंचांग के अनुसार 14 जनवरी को ही रात्रि : 9:38 बजे संक्रमण करेंगे। इसी के साथ ही सूर्य उत्तरायण हो जाएंगे तथा खरमास (धनुर्मास) की समाप्ति हो जाएगी। मकर संक्रांति का यह शास्त्रोक्त नियम है कि प्रदोष के बाद रात्रि में किसी भी समय संक्रांति लगती है तो उसका पुण्यकाल दूसरे दिन होता है। इस प्रकार मकर संक्रांति खिचड़ी का पर्व 15 जनवरी गुरुवार को मनाया जाएगा। स्नान दान के लिए यह पर्व अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।15 जनवरी गुरुवार को मकर संक्रांति और एक महीने से चल रहे धनुर्मास श्रीगोदा-रंगनाथ महोत्सव का पांचारात्र आगम विधि से समापन किये जायेंगे। माघ मास के कृष्ण पक्ष की

एक नजर

हिन् शिवपुरी में मतदाता सूची का हुआ मैपिंग कार्य



रांची। रांची जिले की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में प्री-एसआईआर (स्पेशल इंटीसिव रिवीजन) की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत वृ्थ लेवल ऑफिसर मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची 2003 की मैपिंग कार्य की जा रही हैं। निर्वाचन कार्यालय द्वारा मतदाताओं को जन्म स्थान, जन्म तिथि और नागरिकता के आधार पर श्रेणी-ए से श्रेणी-ई तक वगीकृत किया गया है। वहीं, बीएलओ मतदाताओं से उनकी श्रेणी के अनुसार आवश्यक दस्तावेज एकत्र कर रहे हैं। हिन् शिवपुरी कॉलोनी में मंगलवार को विगत गहन पुनरीक्षण (वर्ष 2003) की मतदाता सूची का मैपिंग कार्य (वृ्थ संख्या 405) का हुआ।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल के निधन से समाज में शोक

रांची। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी अभिषेक अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर मंच ने शोक व्यक्त किया है। सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन और संयुक्त महामंत्री एवं सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने मंगलवार को संयुक्त रूप से शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि अभिषेक अग्रवाल एक सरल, मिलनसार और मनुषापी व्यक्तिव के धनी थे। उनके धार्मिक दृष्टिकोण और समाज के प्रति समर्पण ने उन्हें समाज में अत्यंत सम्मानित व्यक्तिव बनाया। उन्होंने कहा कि अभिषेक अग्रवाल ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा, संगठन निर्माण और मानवीय मूल्यों के प्रसार के लिए समर्पित कर दिया था। उनकी शालीनता, स्पष्टवादिता और सरल स्वभाव को समाज हमेशा स्मरण रखेगा। उनके निधन से समाज ने एक ऊज्ज्वान युवा नेतृत्वकर्ता को खो दिया है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है। सम्मेलन के पदाधिकारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतपन परिवार को यह दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

गैर भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव कर रही है एनडीए सरकार : माकपा

रांची। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार देशाहित को ताक पर रखकर गैर भाजपा शासित राज्यों के साथ भेदभाव कर रही है। साथ ही उन्हें आर्थिक रुप से पंगु बनाने के दिशा में काम कर रही है। यह बातें माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। उन्होंने कहा कि केंद्र के भेदभाव का ताजा उदाहरण केरल है जिसे केंद्र की नीतियों के कारण अपने राजस्व में उसे पिछले पांच वर्षों में 57 हजार करोड़ रुपये का भारी घाटा झेलना पड़ा। इसी प्रकार संवैधानिक प्रावधानों की गलत व्याख्या कर राज्यों के कर्ज लेने की सीमाओं पर कटौतियां थोप दी गई केन्द्रीय टैक्स में से केरल का हिस्सा, जो 10 वें वित्त आयोग के दौरान 3.875 प्रतिशत थी वर्तमान 15 वें वित्त आयोग के समय मात्र 1.925 प्रतिशत रह गयी है। इससे वर्ष 2024-25 में ही केरल को 27 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद केरल की वाम सरकार ने अपने संसाधनों से काम किया। प्रकाश विप्लव ने कहा कि झारखंड के साथ केंद्र सरकार यही कर रही है। उन्होंने कहा कि अपने उचित हिस्से के लिए भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वित्तमंत्री को दिल्ली जाकर विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों से संपर्क करना पड़ता है। झारखंड को 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसा के आलोक में मिलने वाले दो वित्तीय वर्ष के बकाये राशि पर केंद्र सरकार कुंडली मार कर बैठी थी जिसका भुगतान नहीं होने से राज्य में वंचित समुदायों के बच्चों की पढ़ाई छात्रवृत्ति नहीं मिलने से वाधित हुई। इसके अलावा पैसै के अभाव में झारखंड के चार हजार से ज्यादा पंचायतों में विकास का काम ठप हो गया। राज्य सरकार के मंत्रियों ने दिल्ली में डेरा डाले जाने के बाद वित्त आयोग की सिफारिश के आधार पर वर्ष 2024 - 25 के लिए प्रथम किश्त की अनुदान राशि 275.13 करोड़ रुपये वित्त मंत्रालय ने जारी किया।

अपना घर आश्रम में होगी 50 नए बेड की व्यवस्था : सदानंद महाराज

रांची। प्रणामी ट्रस्ट के संस्थापक स्वामी डॉ सदानंद महाराज अपना घर आश्रम में मंगलवार को पहुंचे। इस अवसर पर सदानंद महाराज ने दिव्यांग और निराश्रितजनों को अपने हाथों से भोजन कराया और सेवा कार्य में लगे सभी कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद दिया। मौके पर उन्होंने कहा कि शीघ्र ही ट्रस्ट की ओर से आश्रम में दिव्यांगों की संपूर्ण देखरेख के लिए 50 अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज के उपेक्षित वर्ग की सेवा ही सच्चे धर्म का मार्ग है और इसी मार्ग पर चलकर ईश्वर की कृपा प्राप्त की जा सकती है। मौके पर उन्होंने विगत 20 माह से संचालित इस आश्रम में रह रहे दिव्यांग और निराश्रित और सेवादाों से भेंट कर उनकी दिनचर्या, देखभाल और उपचार से जुड़ी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। आश्रम की स्वच्छता, सुव्यवस्थित सेवा और समर्पण भाव को देखकर उन्होंने सतोष व्यक्त किया एवं इसे ईश्वर के साक्षात दर्शन के समान बताया। मौके पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, प्रवक्ता संजय सर्राफ सहित कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम करेंगे उद्घाटन

ब्लूकार्ट स्टोर का शुभारंभ आज

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सिद्धू कान्हू पार्क, हातमा स्थित निरंजन कॉम्प्लेक्स में ब्लूकार्ट के नए स्टोर का भव्य उद्घाटन 14 जनवरी को होगा। ब्रिगिंग ट्राइबल आर्ट्स ट्रू द वर्ल्ड के संदेश के साथ शुरू हुए इस स्टोर का उद्घाटन केन्द्रीय मंत्री जुएल ओराम दोपहर एक बजे करेंगे। ब्लूकार्ट के स्टोर पर भारत की विभिन्न पारंपरिक और आदिवासी कलाओं की झलक देखने को मिली। स्टोर में प्रस्तुत कला विधाओं में ओड़िशा की पटचित्र कला, झारखंड की खोवर कला और सोहराय कला, ओड़िशा-झारखंड क्षेत्र की सौरा कला, प्राचीन धातु परंपरा डोकरा कला सहित अनूत अद्भुत रचनाएं प्रदर्शित की गईं। यह स्टोर हस्तनिर्मित, प्राकृतिक रंगों और पारंपरिक तकनीकों से बनी



कलाओं को संजोने और आगे बढ़ाने की पहल है। यहां पटचित्र कला (ओड़िशा) कपड़े, ताड़-पत्र पर प्राकृतिक रंगों से बनाई जाने वाली कलाकृति हैं। यह कला भगवान जगन्नाथ से जुड़ी पौराणिक कथाओं को दर्शाती है। खोवर कला हजारीबाग क्षेत्र की यह मिट्टी

चित्रकला विवाह और शुभ अवसरों पर बनाई जाती है। मिट्टी और प्राकृतिक रंगों से दीवारों पर देवी-देवताओं, पशु-पक्षियों और जीवन संकेतों को उकेरा जाता है। सोहराय कला (झारखंड) पशु-पूजन, फसल और प्रकृति से जुड़े इस चित्रण को त्योहारों और

पारंपरिक अनुष्ठानों में बनाया जाता है। रंग-बिरंगे रूपांकन समुदाय की सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखते हैं। सौरा कला (ओड़िशा) दीवारों पर बनती यह अभिव्यक्तिपूर्ण जनजातीय कला देवताओं, जीवन चक्र, फसल और प्रकृति की पूजा का प्रतीक है। डोकरा कला (झारखंड-ओड़िशा) प्राचीन लॉट वैक्स तकनीक से बनी धातु प्रतिमाएँ जो आदिवासी जीवन, लोक-आस्था और पशु-पक्षी आकृतियों को दर्शाती हैं।

परंपरा, संस्कृति और बाजार का संगम

इन कलाओं में प्राकृतिक रंगों, मिट्टी और धातु के उपयोग से सिर्फ कला ही नहीं, बल्कि पढ़ि़यों पुरानी विरासत, आस्था और जनजातीय जीवन का इतिहास भी झलकता है। ब्लूकार्ट का प्रयास है कि इन्हें वैश्विक मंच मिले और कलाकारों को नई पहचान व बाजार उपलब्ध हो।

झारखंड की पैरालिम्पिक टीम 23वीं राष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में देगी दमदार प्रदर्शन, गिरिडीह के आकाश भी टीम में शामिल

नवप्रदेश संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड राज्य की पैरालिम्पिक टीम के 6 खिलाड़ी और 2 पदाधिकारी 16 से 18 जनवरी तक उत्तराखंड के रुड़की में आयोजित 23वीं राष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए रवाना हो चुके हैं। इस टीम में गिरिडीह के आकाश सिंह, गढ़वा के सुमेर कुमार, हजारीबाग के तुकेश्वर कुमार, रामगढ़ के रामसागर कुमार और रांची की किरण कुमारी शामिल हैं, जो



कठिन चुनौतियों के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का परचम लहराने की तैयारी हैं।टीम के साथ कोच कुमार गौरव और सपोर्ट स्टाफ सन्नी कुमार भी हैं, जो खिलाड़ियों को हर कदम पर मार्गदर्शन देंगे। पैरालिम्पिक कमिटी

ऑफ झारखंड के अध्यक्ष जटाशंकर चौधरी और सचिव कुमार गौरव ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, झारखंड के पैरा खिलाड़ी कठिन परिस्थितियों, सीमित संसाधनों और शारीरिक चुनौतियों के बावजूद

जिस दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। दिव्यांगता किसी की क्षमता की सीमा नहीं होती, बल्कि इच्छाशक्ति और मेहनत से हर बाधा को पार किया जा सकता है।हउ-होंने भरोसा जताया कि झारखंड के पैरा खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। कमिटी की ओर से पूरी टीम को सफलता और गौरवपूर्ण प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी गई हैं।



सीता पांज टुसु मेला पर विशेष सीता पांज टुसु मेला, कृषि सभ्यता, भूगोल, आस्था और कुड़मि सांस्कृतिक परंपरा का जीवंत इतिहास



कृषि सभ्यता की एक अति प्राचीन कड़ी के रूप में टुसु मेला और सीता पांज का विशेष महत्व है। टाटानगर और रांची के बीच स्थित दलमा पर्वत श्रृंखला धरती के सबसे पुराने भूभागों में से एक मानी जाती है। भूगोल शिक्षक गुणाधर मुतरूआर ने अपने लेख में बताया है कि भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग का दावा है कि यह क्षेत्र सिंहभूम क्रैप्टॉन का हिस्सा है, जो लगभग तीन अरब वर्ष पूर्व टैथिस सागर से उभरकर अस्तित्व में आया था। इसी पर्वतमाला के एक भाग को तुता पहाड़ के नाम से जाना जाता है। यहीं से निकलने वाली एक नदी स्वर्णरेखा नदी के प्रमुख शाखा मानी जाती है, जिससे सीतानाला के रूप में जाना जाता है। प्राचीन काल में यह सीतानाला नदी अपने विस्तृत रूप में बहती थी, किंतु कालांतर में जल स्रोतों की कमी के कारण धीरे-धीरे इसे नाला कहा जाने लगा। वर्तमान समय में तुता पहाड़ का स्वरूप भी पहाड़ी के रूप में परिवर्तित हो चुका है। इसी सीतानाला नदी के किनारे ईचागढ़ प्रखंड के चोगा, चितरी और चिमटिया नामक तीन गांवों के संगम स्थल पर मकर संक्रांति के दिन सीता पांज टुसु मेला का आयोजन अत्यंत प्राचीन काल से होता आ रहा है। पौराणिक मान्यता है कि इन गांवों के संगम स्थल पर बहती नदी के बीच एक चट्टान पर माता सीता के पदचिन्ह स्थित हैं। यह पदचिन्ह मकर संक्रांति के दिन नदी का जल घट जाने पर दिखाई देता है, जबकि अन्य समय जल के भीतर उसका दर्शन किया जाता है। सनातन अथवा पुराणों में आस्था रखने वाले लोग इस पदचिन्ह की श्रद्धा और समर्पण के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। जनमान्यता है कि राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के गमन के समय इस स्थान पर रुके थे तथा माता सीता यहां अपना पदचिन्ह छोड़कर दक्षिण दिशा की ओर राम और लक्ष्मण के साथ प्रस्थान कर गई थीं। मकर संक्रांति के दिन यहां के भीड़ अत्यंत दर्शनीय होती है।

नवप्रदेश संवाददाता

दुमका। पुलिस ने महज 24 घंटे के अंदर स्कुटी चोरी की घटना का उद्घेदन करते हुए चोरी की गई स्कुटी व सॉल्लित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि विगत 12 जनवरी 2026 को यंशवत कुमार मोदी उम्र 56 वर्ष साकिन-वार्ड 16, सराय रोड दुमका, थाना-नगर जिला-दुमका ने नगर थाना में अपनी होंडा स्कुटी (Activa रैजिनं-JH04K5514 ईजन नं-JF50ET40622337 के चोरी की लिखित सूचना दी थी मामले में काण्ड अंकित किया गया था। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक के द्वारा काण्ड के त्वरित उद्घेदन



हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर दुमका के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया था। छापामारी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर काण्ड मे चोरी होंडा

एक्टिवा स्कुटी को बरामद किया गया है। मामले में पकड़ाए व्यक्ति का नाम अमित यादव, उम्र 20 वर्ष, पिता-दीनदयाल यादव, पता-शास्त्रीनगर, बाउरीपाडा थाना-नगर, जिला-

दुमका है छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, दुमका,पु०अ०नि० राजीव रंजन (01),स०अ०नि० कामता राम एवं नगर थाना सशस्त्र बल शामिल थे

जरूरतमंद के कंबल व अन्य सामग्रियों का वितरण



नवप्रदेश/गिरिडीह। पुलिस एवं आम जनता के मध्य समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने की कड़ी में पुलिस अधीक्षक गिरिडीह के द्वारा सरिया थाना अंतर्गत अमनारी पंचायत के बिरहोर कॉलोनी में जाकर जरूरतमंद लोगों के बीच ठंड से बचाव के लिए कंबल एवं अन्य सामग्रियों का वितरण किया गया एवं बिरहोर समुदाय के लोगों से भेंट कर उनके समस्याओं से अवगत हुए तथा गिरिडीह पुलिस की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक गिरिडीह के साथ अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बगोदर-सरिया एवं संबंधित थाना/ओ०पी० प्रभारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बगोदर-सरिया के कार्यालय में सभी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया एवं विधि व्यवस्था की समीक्षा कर कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया गया।

कुक्कड़ में हाथियों का आतंक



बीच सड़क पर हाथी कर रहे है विचरण

नवप्रदेश/ईचागढ़ - सरायकेला-खरसावा जिले के कुक्कड़ प्रखंड की पंचायत बेरासिसरूम के ग्राम रुपर, टोला खरकोचा में दो हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। मंगलवार की भोर को हाथियों के अचानक

गांव में प्रवेश करने से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार हाथियों ने गौरांग महतो के मिर्चा बाड़ी को पूरी तरह रौंद दिया। वहीं बालिका महतो के खेत में लगी आलू की फसल को खाकर नष्ट कर दिया। इसके अलावा सत्यवान महतो के

खेत में लगी गोभी और बैंगन की फसल को भी हाथियों ने नुकसान पहुंचाया है। किसानों का कहना है कि कड़ी मेहनत से तैयार की गई फसल एक ही रात में बर्बाद हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि आए दिन जंगली हाथी गांव में घुसकर फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। हाथियों के गांव में घुसकर फसलों को बर्बाद करने

किसानों का फसल किया नष्ट



की सूचना वन विभाग को देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे किसानों में वन विभाग के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग तत्काल सत्रिय होकर हाथियों की आवाजाही रोके, प्रभावित किसानों को मुआवजा दे और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से

बचा जा सके।

बीच सड़क पर हाथी कर रहे है विचरण

कुक्कड़ प्रखंड क्षेत्र के दारुदा जंगल में मिलन चौक - आदरडीह सड़क पर दो जंगली हाथी लगभग शाम 5: 30 बजे आ गयी और राहगीरों की आवागमन को रोक दिया। मकर संक्रांति को लेकर आम लोग

खरीदारी करने निकले लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि टुसू पर्व पर प्रतिदिन अलग अलग क्षेत्र में मेला का आयोजन होता है। यदि ऐसे ही हाथी सड़क पर विचरण करेंगे तो भय का माहौल बना रहेगा। ग्रामीणों ने जंगली हाथी को जल्द से जल्द क्षेत्र से भागने का मांग किया है।

एक नजर

प्रधान गुरुद्वारा ग्राउंड परिसर में सिख समाज ने लोहड़ी पर्व बड़े ही सादगी के साथ मनाया



नवप्रदेश/गिरिडीह। प्रधान गुरुद्वारा ग्राउंड परिसर में सिख समाज ने मंगलवार की देर शाम को लोहड़ी पर्व बड़े ही सादगी के साथ मनाया। गिरिडीह प्रधान गुरुद्वारा के मुख्य प्रधान सेवक गुणवंत सिंह मोंगिया ने सबसे पहले लोहड़ी जलाई। इसके बाद आग के चारों ओर घूम कर सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। सिख समाज के लोगों ने आग में तिल, गजक, रेबड़ी, फूला, मूंफल्ली आदि डाले। मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटेी के सचिव नरेंद्र सिंह सलूजा उर्फ सम्मी, अमरजीत सिंह सलूजा, चरणजीत सिंह सलूजा , तरनजीत सिंह खालसा उर्फ जिमी, कुंवरजीत सिंह देवेन्द्र सिंह, संदीप सिंह, राजू चावला, कुशल सलूजा, प्रिंस सलूजा समेत सिख समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों ने शिरकत की और लोहड़ी का आनंद उठाया।

दुमका में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, बिना हेलमेट व सीट बेल्ट वालों को किया गया जागरूक



नवप्रदेश/दुमका। सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत आज डीसी चौक एवं गांधी मैदान के समीप सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं को रोकना था। अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी, दुमका द्वारा बिना हेलमेट पहनें दोपहिया वाहन चालकों को फूल की माला एवं तिलक लगाकर हेल्मेट पहनने का अनुरोध किया गया। वहीं बिना सीट बेल्ट लगाए चारपहिया वाहन चालकों से भी सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीट बेल्ट लगाने की अपील की गई। इस दौरान जरूरत मंद दो लोगों को जिला परिवहन पदाधिकारी दुमका द्वारा हेल्मेट दिया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट न केवल कानूनी बाध्यता हैं, बल्कि जीवन रक्षक भी हैं। थोड़ी सी सावधानी से बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इस कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य, यातायात से जुड़े पदाधिकारी एवं कई समाजसेवी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने आम लोगों से सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की।

रामगढ़ के जंगल में हाथी की मौत, पोस्टमार्टम में खुलेगा राज

रामगढ़। रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चोपादारू गांव में एक हाथी की मौत हो गई। मंगलवार की सुबह जैसे ही हाथी की लाश मिलने की खबर मिली, वन विभाग के अधिकारी सक्रिय हो गए। हाथी की मौत कैसे हुई यह सबसे बड़ा सवाल है। रिहायशी इलाके में हाथी का शव मिलना वन विभाग के अधिकारियों के लिए गंभीर विषय बन गया है। डीएफओ नीतीश कुमार ने बताया कि अचानक हाथी की मौत के पीछे बड़ा राज हो सकता है। उन्होंने बताया कि जिस जगह पर हाथी का शव मिला है, वहीं पर उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल यह संशय बना हुआ है, कि आखिर उस हाथी की मौत कैसे हुई। प्रथम दृष्टया संदेह यह भी है कि किसी व्यक्ति के द्वारा उसे जहरीला पदार्थ खिलाया गया होगा। हाथी जहां गिरा है, वहां पर काफी सारा खून भी मिला है, जिससे यह संदेह और अधिक बढ़ गया है। पोस्टमार्टम के बाद ही हाथी का अंतिम संस्कार होगा।

घर में लगी आग, महिला गंभीर

नवप्रदेश/पूर्वी सिंहभूम। मानगो के आजादनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रोड नंबर-10, जाकिरनगर स्थित कबीरिया स्कूल के पास सोमवार देर मौत मोहम्मद अजीम के घर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में घर में रखे कीमती सामान इसकी चपेट में आ गए। घटना में एयर कंडीशनर (एसी), अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फर्नीचर और घरेलू जरूरी सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। आग लगने के दौरान घर के अंदर मौजूद एक महिला इसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई। आग की लपटें और धुएं को देखकर आसपास के लोग द्रुत मौके पर पहुंचे और साहस दिखाते हुए महिला को बाहर निकाला। इसके बाद उसे इलाज के लिए तत्काल टाटा मेमोरियल अस्पताल (टीएमएच) ले जाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए बाल्टियों और पाइप के सहारे आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और आग आसपास के घरों तक नहीं फैल सकी। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल रहा, वहीं लोगों की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से स्थिति को संभाल लिया गया।

स्कूल में विदाई बैच के लिए सम्मान समारोह का आयोजन



नवप्रदेश/पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर स्थित चर्च स्कूल बेलडीह में मंगलवार को विदाई बैच के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के सम्मान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय परिसर में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति में सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सीनियर को-ऑर्डिनेटर प्रोमिला जोशुआ की ओर से प्रार्थना के साथ किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए ईश्वर से आशीर्वाद की कामना की गई। इसके पश्चात विद्यालय के गायक दल द्वारा प्रस्तुत मधुर गीत ने पूरे वातावरण को शांति और सौम्यता से भर दिया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या एस्तर मोहंती ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए निरंतर परिश्रम, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे के जीवन में लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहने और समाज के लिए सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सम्मान समारोह रहा, जिसमें विदाई बैच के विद्यार्थियों को शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तथा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्टता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। कार्यक्रम का समापन जूनियर को-ऑर्डिनेटर नोरीन डेविड की ओर से प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।



तो क्या हमें रोबोट चलायेगा!

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तीव्र विकास के बाद यह बड़ा सवाल है कि भविष्य में हम रोबोट को चलायेंगे या फिर रोबोट हमें चलायेंगे? यह सवाल अब और भी महत्वपूर्ण हो गया है, जब एलन मस्क ने कहा है कि मेडिकल के क्षेत्र में रोबोट ज्यादा बेहतर सर्विस देने वाले हैं। एलन मस्क का मानना है कि अब मेडिकल कॉलेज जाना बेकार है, क्योंकि आने वाले तीन साल में एआई रोबोट ह्यूमन डॉक्टर्स से बेहतर होंगे। एलन मस्क ने कहा, पूरी दुनिया के सभी सर्जनों से ज्यादा ऑप्टिमस रोबोट शायद बेहतरीन सर्जिकल ऑपरेशन करेंगे। स्पेसएक्स के फाउंडर एलन मस्क ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन साल में बहुत कुछ बदलने वाला है। उनकी इस भविष्यवाणी ने मेडिकल की पढ़ाई को लेकर नवी बहस छेड़ दी है। एलन मस्क ने हाल ही में एक पांडकास्ट में कहा कि एक बेहतरीन डॉक्टर बनने के लिए बहुत लंबा समय लगता है, लेकिन आने वाले सालों में सबकुछ बदलने वाला है। एक्स प्रोजेज फाउंडेशन के एजीक्यूटिव चैयरमैन पीटर डायमंडिस के पांडकास्ट में एलन मस्क शिक्षा और एआई को लेकर कई बातें कही। उन्होंने मेडिकल फील्ड में एआई के चलते तेजी से हो रहे बदलाव को लेकर कहा कि मेडिकल कॉलेज जाना बेहार है। उनका मानना है कि आने वाले कुछ ही सालों में एआई रोबोट लोगों को बेहतर मेडिकल सुविधाएं द सकते हैं। लोगों को ह्यूमन डॉक्टर्स से ज्यादा बेहतर मेडिकल केयर मिलेगी। मस्क की ये बातें काफी गंभीर हैं। रोबोटिक दुनिया जितनी तेजी से पांव पसार रहा है, यह संभव है कि आने वाले दिनों में लोग इंसानी चिकित्सकों पर विश्वास करना बंद कर दें और रोबोट से ही अपना इलाज करावें। दुनिया में यह बड़ा बदलाव होगा, क्योंकि तब न सिर्फ चिकित्सक बनने बंद हो जायेंगे और दुनिया के सभी मेडिकल कॉलेज बंद हो जायेंगे। चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार हो रहे अनुसंधानों पर भी सवाल खड़ा हो जायेगा। उसके बाद बेरोजगारी की एक नयी फौज खड़ी हो जायेगी। दुनियाभर में चिकित्सा क्षेत्र के सभी वैज्ञानिक और चिकित्सक बेरोजगार हो जायेंगे। सवाल यहीं खड़ा होता है कि उन सबकुछ क्षणीन (रोबोट) ही करेंगे तो फिर इंसान करेंगे क्या?
लेखन, चिकित्सा, अभियंत्रण, होटल-रेस्टुरेंट संचालन, हेयर कटिंग, ड्राइविंग आदि सभी कार्य यदि रोबोट को ही सौंप दिये जायेंगे, तो फिर इंसान का भविष्य क्या होगा? उसके जिम्मे क्या कार्य रह जायेंगे? खेतों-किसानों में भी रोबोट का इस्तेमाल होने लगा है और निर्माण कार्यों में भी। तकनीक को एक सीमा तक बांध कर रखना शायद ज्यादा उचित होगा। विज्ञान को साधन बनाना चाहिए, साध्य नहीं।विज्ञान का यदि दुरुपयोग (सीमा से अधिक उपयोग या मानव की पूरी तरह से निर्भरता) किया जायेगा, तो यह एक दिन मानव के लिए अभिषाण बन जायेगा। वह स्थिति ज्यादा भयावह हो जायेगी, जब सभी काम रोबोट करने लगेंगे और मानव बेकार हो जायेगा, तब मानव का दिमाग काम करना बंद कर देगा, क्योंकि उसका इस्तेमाल ही नहीं होगा। इसका कुप्रभाव यह पड़ेगा कि जैव विकास की प्रक्रिया में इंसानों की आने वाली पीढ़ी बिना दिमाग के पैदा होगी और उसको गतिशील बनाने के लिए चिप की जरूरत पड़ेगी। रोबोट निर्माता इस पर भी गौर करें।

सुझा

शरिया या उम्मा की निष्ठा संविधान से पहले!

कैलाश चन्द्र

भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां संविधान की सर्वोच्चता और कुछ समूहों की विचारधारात्मक आक्रामकता के बीच संघर्ष अब स्पष्ट रूप में दिखने लगा है। यह समस्या किसी धर्म-विशेष के अनुयायियों की नहीं, एक तरह से देखें तो उन लोगों की है जो अपने धार्मिक या वैचारिक ग्रंथों को देश, समाज, राष्ट्र और संविधान से ऊपर रखने की घोषणा करते हैं। संविधान भारतीय नागरिकता का आधार है, और नागरिकता स्वयं तभी सार्थक होती है जब नागरिक राष्ट्रहित को सर्वोच मानता है। दुर्भाग्य यह है कि अब कुछ संगठित समूह खुले तौर पर घोषणा करने लगे हैं कि उनके लिए शरिया या उम्मा की निष्ठा भारतीय संविधान से पहले है। यह घोषणा सिर्फ धार्मिक भावना नहीं है, यह राष्ट्रीय ढांचे के विरुद्ध वैचारिक विद्रोह है। इस प्रकार की विचारधारा धीरे-धीरे अपराधों को वैज्ञता देने का खतरनाक माध्यम बन जाती है। जब किसी कट्टर नेटवर्क के भीतर अपराधी मानसिकता को कौमी कर्तव्य कहकर समर्थन दिया जाता है, तब वह अपराध सामान्य आपराधिक हarkत नहीं रह जाता। वह संगठित सामाजिक हिंसा बन जाता है। भीड़ हिंसा, दंगे, पत्थरबाजी, आतंकवादियों के लिए खुला समर्थन, और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले आंदोलन इसी मानसिकता की उपज हैं। यदि यह वातावरण बढ़ता रहा तो अराजकता केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और भौगोलिक स्तर पर भी देश को कमजोर कर देगी। इतिहास इस बात का प्रमाण है कि किसी भी राष्ट्र में जब कानून से ऊपर किसी वैचारिक पहचान को बढ़ावा मिलता है, तो राष्ट्र अंततः विघटन के मार्ग पर चल पड़ता है। यहां पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि ऐसे नागरिकों के लिए समाधान क्या होना चाहिए? क्या देश से निष्कासन या फाँसी जैसे कठोर दंड की आवश्यकता है? या कोई ऐसा उपाय है जो राष्ट्र को भी सुरक्षित रखे और लोकतंत्र की मर्यादा भी बनाए रखे? यह समझना आवश्यक है कि भारत जैसे लोकतांत्रिक राष्ट्र में मृत्यु-दंड या नागरिकता-निष्कासन अंतिम औजार हैं। इन्हें केवल तभी उपयोग किया जा सकता है जब नागरिक ने स्वयं हिंसक राष्ट्र-विरोधी अपराध किया हो- जैसे आतंकवाद, राजद्रोह की सशस्त्र गतिविधि या बड़े पैमाने पर हिंसा का नेतृत्व। केवल विचारधारात्मक बयान के आधार पर इन दंडों का इस्तेमाल करना संविधान की दृष्टि से संभव नहीं है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सैवधानिक व्यवस्था ऐसे घोषणाओं को सहन करने के लिए बाध्य है। समाधान दंड की कठोरता में नहीं, बल्कि कानून के निर्णायक और निर्भीक प्रयोग में है। जिस नागरिक ने संविधान-विरोधी विचार को सार्वजनिक रूप से घोषित किया है, उसके लिए कानून पहले से मौजूद है- यू.पी.ए., राजद्रोह से संबंधित धाराएं, 153ए और 295ए जैसी सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ी धाराएं तथा संगठित अपराधों पर राज्यस्तरीय कठोर कानून। समस्या यह है कि इन कानूनों का प्रयोग निरंतर, निष्पक्ष और त्वरित गति से नहीं होता। जब कानून लचीला हो जाता है, तब अपराधी समूहों को यह भ्रम हो जाता है कि वे अपनी कौमी एकता या धार्मिक पहचान का आड़ लेकर किसी भी अपराध को दबा या पलट सकते हैं। यही भ्रम भविष्य में अराजकता का मूल कारण बनता है। इसलिए राष्ट्रहित में पहला और अभियुक्त कदम यह होना चाहिए कि संविधान को अस्वीकार करने की सार्वजनिक घोषणा को गंभीर अपराध माना जाए। वस्तुतः यह अपराध उतना ही गंभीर है जितना कि किसी सशस्त्र विद्रोह की घोषणा, क्योंकि दोनों ही राष्ट्र की संसभुता पर सीधा प्रहार करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को तुरंत कानून की गिरफ्त में लाया जाना चाहिए, और न्यायिक प्रक्रिया के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यदि उन्होंने हिंसा, दंगा, देश-विभाजन का उकसाया या आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन किया है तो उनके लिए कठोरतम दंड पहले से ही उपलब्ध है जोकि आवश्यक होने पर मृत्यु-दंड तक जा सकते हैं।



वरुण अधिकारी

इंजीनियर अधिक निर्णायक हो गए, ठेकेदार अधिक जवाबदेह बन गये तथा राज्य और केंद्रीय एजेंसियां अधिक निकटता से समन्वय करने लगीं, वर्याँकि हिस्सों में काम करने को अब सहन नहीं किया जाता था। जमीनी स्तर पर, प्रभाव स्पष्ट था। सुरंग खुदाई पहले छिटपुट तरीके से की जा रही थी। जटिल भूविज्ञान, टूटे हुए चट्टान, संरचनात्मक बदलाव क्षेत्र, पानी का रिसाव और कमजोर स्तरों के बावजूद अब खुदाई के काम में लगातार प्रगति होने लगी।



प्रयाग पाण्डे

पहाड़ के प्रत्येक गांव में कुली रजिस्टर बनते थे, इन रजिस्टरों में 'कुलियों' के नाम कटते और जुड़ते रहते थे। हरेक गांव में कुलियों की संख्या निर्धारित थी। सरकारी आज्ञा पर इन्हें निर्धारित कुली पड़ावों में हर हालत में हाजिर होना पड़ता था। व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक सुख-दुःख, प्रतिकूल मौसम और तीज-त्यौहार, किसी भी परिस्थिति में कुली को बारी से छूट नहीं मिलती थी।

अभिव्यक्ति

प्रगति और मिजोरम की रेल अवसंरचना



तेजी के पीछे का कारण नहीं बताया। लेकिन बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं के लंबे अनुभव ने मुझे संकेत की पहचान करना सिखा दिया था। यह सामान्य दबाव नहीं था। यह शीर्ष स्तर पर निरीक्षण की तैयारी थी। जल्द ही कारण स्पष्ट हो गया: बैराबी-सैरांग रेलवे परियोजना की समीक्षा पीएम की अध्यक्षता वाले सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन (प्रगति) मंच के तहत निर्धारित की गई थी। परियोजना लंबे समय तक हाशिये पर रही, लेकिन प्रगति के अंतर्गत समीक्षा से प्राधिकार व जवाबदेही तय हुई और हर लंबित मुद्दे तथा एजेंसियों के बीच अड़चनों के सम्बन्ध में वास्तविक समय पर जांच की व्यवस्था की गयी। इस बैठक के बाद निर्णय मेल खाने लगे, और प्रगति दिखाई दी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि किस प्रकार शासन अक्सर परिणाम तय करता है। मार्च 2016 की प्रगति समीक्षा बैठक ने परियोजना के आयाम में मूलभूत बदलाव किये। इस रूपरेखा के तहत, समस्याओं की अलग-अलग जाँच नहीं की जा सकती थी और न ही उन्हें अनिश्चितकाल के लिए टाला जा सकता था। एन-एच-06 की अत्यंत खराब हालत अब रेलवे के कार्य क्षेत्र के बाहर नहीं मानी जा रही थी। स्पष्ट समयसीमा और निरंतर निगरानी के साथ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को मरम्मत और सुधार कार्य करने का निर्देश दिया गया। भूमि अधिग्रहण में देरी को अब केवल सामान्य प्रशासनिक बाधाओं के रूप में नहीं देखा जा रहा था; मिजोरम सरकार को समाधान तेज करने का निर्देश दिया गया और प्रगति पर निगरानी रखी गई। कानून और व्यवस्था से संबंधित मुद्दों को औपचारिक रूप से

क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण जोखिम माना गया और उन पर कड़ी निगरानी रखी गयी। व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि निर्णयों का समन्वय ही वह बात थी, जो सबसे अधिक ध्यान खींचती थी। प्रगति के तहत, एजेंसियां अब अलग-थलग रहकर काम नहीं कर सकती थीं। जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं, समन्वय को अनिवार्य किया गया और अनुवर्ती कार्यों में निरंतरता लाई गयी। इसका असर तुरंत दिखा, कटकहल-बैराबी खंड को मार्च 2016 में चालू किया गया, जिससे माल ढुलाई संभव हुई और पहाड़, लॉजिस्टिक्स और योजना में सुधार हुआ। जैसे-जैसे महीने बीतते गए, यह स्पष्ट हो गया कि प्रगति संस्थागत व्यवहार को बदल रही थी। समीक्षा अब देरी की व्याख्या करने से हटकर उन्हें हल करने पर केंद्रित हो गई और रिपोर्ट के स्थान पर तस्वीरों, समयरेखाओं और स्थल अवस्थिति डेटा का उपयोग होने लगा। डिजिटल निगरानी यह सुनिश्चित करती थी कि एक बार उठाए गए मुद्दे तब तक चर्चा में बने रहें जब तक कि उनका समाधान न हो जाए। इस अनुशासन से पूरी प्रणाली में काम करने के तरीके बदल गये। इंजीनियर निर्धारित निर्णायक हो गए, ठेकेदार अधिक जवाबदेह बन गये तथा राज्य और केंद्रीय एजेंसियां अधिक निकटता से समन्वय करने लगीं, क्योंकि हिस्सों में काम करने को अब सहन नहीं किया जाता था। जमीनी स्तर पर, प्रभाव स्पष्ट था। सुरंग खुदाई पहले छिटपुट तरीके से की जा रही थी। जटिल भूविज्ञान, टूटे हुए चट्टान, संरचनात्मक बदलाव क्षेत्र, पानी का रिसाव और कमजोर स्तरों के बावजूद अब खुदाई के काम में लगातार प्रगति करने को अब सहन नहीं किया जाता था। सशोधनों के लिए अनुमोदन महीनों की बजाय हफ्तों में होने लगे। हमरी घाटियों में पुलों की निर्माण होने लगा, कुछ सत्र मीटर से अधिक ऊँचे थे, जो सैकड़ों किलोमीटर दूर लिए गए निर्णयों को कार्यस्थल पर कंक्रीट और स्टील में बदल रहे थे। यहां तक कि कोविड-19 अवधि के दौरान भी, यही व्यवस्था निरंतरता सुनिश्चित करती रही; भ्रम की कमी, संविदात्मक विवाद और कार्यान्वयन चुनौतियों पर कड़ी निगरानी रखी गई, और परियोजना धीमी हुई, लेकिन भटकाव नहीं हुआ। समय के साथ, उपलब्धि का पैमाना स्पष्ट हो गया: लगभग एक-तिहाई मार्ग को कवर करने वाली पैतालीस सुरंगें, 150 से अधिक पुल, सुरंग खंडों के माध्यम से बिना बालास्ट वाला ट्रैक, और देश के सबसे चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों में से एक में 100

रक्तहीन क्रांति के 105 साल



बेगार और कुली- बर्दाश कहालते थे। जबकि कुली- बर्दाश कुप्रथा रसद से जुड़ी थी। इसके अंतर्गत साहल लोहार के दोरों के दौरान पटवारी गांव वालों से घास, लकड़ी, कोयला, अन्न, घी, दूध - दही, अंडा-मुर्गा, दालें, सब्जी, बर्तन और अन्य खाद्य सामग्री मुफ्त अथवा नाममात्र की कीमत पर लेते थे। पहाड़ के प्रत्येक गांव में कुली रजिस्टर बनते थे, इन रजिस्ट्रो में 'कुलियों' के नाम कटते और जुड़ते रहते थे। हरेक गांव में कुलियों की संख्या निर्धारित थी। सरकारी आज्ञा पर इन्हें निर्धारित कुली पड़ावों में हर हालत में हाजिर होना पड़ता था। व्यक्तिगत अथवा पारिवारिक सुख-दुःख, प्रतिकूल मौसम और तीज- त्यौहार, किसी भी परिस्थिति में कुली को बारी से छूट नहीं मिलती थी। बोझा नहीं देने वालों को अर्थदंड माना पड़ता था। अंग्रेज साहबों की सुविधा के लिए बेगारी देना उत्तराखंड के लोगों विशेषकर ग्रामीण काश्तकारों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी था। इस अमानुषिक कुप्रथा से सुपुर्न उत्तराखंड की जनता त्रस्त थी। अपमान सहने को विवश थी। उत्तराखंड में प्रचलित इस अमानुषिक व्यवस्था के विरुद्ध अतीत में अनेक बार विरोध के छुटपुट स्वर मुखरित होते रहे, लेकिन कोई बड़ा जनोदोलन खड़ा नहीं हो पाया था। 1913 में बदरी दत्त पाण्डे ने 'अल्मोड़ा अखबार' के संपादक का दायित्व संभाला। इसके बाद उन्होंने इस प्रथा के विरुद्ध लिखना शुरू किया। बदरी दत्त पाण्डे ने लाला चिरंजीलाल और लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर इस कुप्रथा के विरुद्ध जन जागरण अभियान की शुरुआत की। 1904 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस प्रथा को नियम विरुद्ध और गैर कानूनी करार दिया। व्यवस्थापिका सभा में भी इस प्रथा के विरोध में प्रस्ताव पारित हुआ। बावजूद इसके तब उत्तराखंड में तैनात

मानबद्ध अंग्रेज अधिकारियों ने इस व्यवस्था को कायम रखा। यही नहीं 1913 में अल्मोड़ा के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर ने अल्मोड़ा शहरवासियों को भी कुली उतार देने के आदेश जारी कर दिए। बोझा नहीं देने वालों के ऊपर प्रतिवर्ष दो रुपया कुली-कर लगा दिया गया। रायबहादुर तारा दत्त गैरौला ने प्रांतीय कौंसिल में इस व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाई, लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। इस विषय में ब्रिटिश पार्लियामेंट में भी चर्चा हुई। ब्रिटिश पार्लियामेंट ने तत्कालीन भारत मंत्री ने यह कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया कि यह व्यवस्था अंग्रेजों ने कायम नहीं की है, इसलिए इसे हटाने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता। कालांतर में भारत मंत्री के इस वक्तव्य का उत्तराखंड की जनता ने ऐसा प्रतिउत्तर दिया, जिसकी मिसाल दुनिया के इतिहास में कम ही पाई जाती है। 1916 में नैनीताल में कुमाऊं परिषद का गठन हुआ। तब कुमाऊं परिषद को 'कुमाऊं की कांग्रेस' कहा जाता था। इसी साल कुमाऊं परिषद का अल्मोड़ा में पहला अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन में कुली- बेगार कुप्रथा के विरोध में प्रस्ताव पास हुआ। इसके बाद गोविंद बल्लभ पन्त, हरशिविंद पन्त और बदरी दत्त पाण्डे ने कुली बेगार व्यवस्था के विरोध में गांव- गांव जन सभाएं करनी प्रारंभ कर दी। 1918 में कुमाऊं परिषद का हल्द्वानी में सम्मेलन हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता रायबहादुर तारा दत्त गैरौला ने की। इस सम्मेलन में ब्रिटिश सरकार को दो साल के भीतर कुली-बेगार प्रथा को बंद करने का नोटिस का हो निर्णय लिया गया। नोटिस में कहा गया कि यह तब समाप्तवधि में इस प्रथा को नहीं हटाया गया तो उत्तराखंड की जनता सत्याग्रह करेगी। इसी के साथ कुली- बेगार प्रथा के विरुद्ध गांव-गांव जन जागरण अभियान शुरू हो गया।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

मकर संक्रांति : आहार का विज्ञान और समाज संगठन का सूत्र



गिरिश जोशी

इस पावन समय में सभी लोग स्वस्थ और निरोग रहें। हमारे पूर्वज विज्ञान जानते थे। आज का विज्ञान कहता है तिल में उच्च मात्रा में कैलोरी, प्रोटीन और स्वस्थ होता है, जो ठंडे मौसम में शरीर को ऊर्जा देती है। यह शरीर को गर्म रखने में मदद करता है।

आज के समय में हम लोग अपने भोजन को लेकर बड़े सजग हैं। खाने की हर चीज के बारे में उसकी कैलोरी को देखकर उसे खाने या न खाने का फैसला लेते हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी हो जाता है कि संक्रांति के समय तिल-गुड़ और खिचड़ी क्यों खाना चाहिए, पतंग क्यों उड़ाते हैं। नई पीढ़ी के ढेर सारे सवालनों के जवाब आज के विज्ञान की दृष्टि से देखने की कोशिश करते हैं तो ये दिखता है कि हमारे देश में सारे त्योहार प्राकृतिक घटनाओं से जुड़े हुए हैं। मूसल पर्व, लोक न-नक्षत्रों की गति, अलग-अलग राशियों में भ्रमण के आधार पर उत्सव पर्व मनाए जाते हैं। शास्त्रों में लिखा है- माघे मासे तु संप्राप्ते मकरं सूर्यमच्छति। तस्मात् संक्रान्तिरित्युक्ता पुण्यल पुण्यवर्धिनी॥ अर्थात् - माघ मास में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, उसे मकर संक्रांति कहते हैं। यह पर्व पुण्य देने वाला और पुण्य को बढ़ाने वाला होता है। वास्तव में सूर्य तो अपने अक्ष पर होता है, पृथ्वी और अन्य ग्रह उसके चारों ओर चक्कर लगाते हैं, लेकिन ऐसा कहा जाता है कि जब सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है यानी पृथ्वी से देखने पर सूर्य मकर राशि में दिखाई देने लगता है तब मकर संक्रांति का उत्सव मनाया जाता है। मकर संक्रांति के बाद दिन बड़े होने लगते हैं और रात छोटी होने लगती है। यानी इस दिन से जीवन में प्रकाश का समय बढ़ने लगता है, अंधकार घटने लगता है। हमारी



संस्कृति में प्रकाश को ज्ञान का प्रतीक भी माना जाता है अंधकार को अज्ञान कहा जाता है। संक्रांति का अर्थ है सम्यक क्रांती अर्थात् योग्य दिशा में व्यक्ति और समाज को परिवर्तन। समाज को आत्मविश्मृति के अंधकार से बाहर निकाल कर, चेतना के जागृति के, सत्य के प्रकाश की ओर ले जाना सनातन संस्कृति का उद्देश्य है। इस लक्ष्य की याद समाज को करवाने के लिए मकर संक्रांति का उत्सव मनाया जाता है। मकर राशि में प्रवेश करने वाले सूर्य की महत्ता को बताने वाली एक सूक्ति है- नमः सूर्याय लोकाय लोकनाथाय भास्वते॥ सर्वगोहरायैव मकरस्थाय ते नमः॥ अर्थात्

- लोकों को प्रकाशित करने वाले, लोकनाथ, तेजस्वी सूर्यदेव को नमस्कार है। मकर राशि में स्थित सभी रोगों को दूर करने वाले सूर्य को प्रणाम है। मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ साथ में खाने की परंपरा है। शास्त्र कहते हैं- तिलगुडेः सह हर्षेण सूर्यपूजा विधीयताम्। मकरसंक्रान्तिकालेऽभिन् सवें सन्तु निरामयाः॥ अर्थात् मकर संक्रांति के अवसर पर तिल और गुड़ के साथ हर्षपूर्वक सूर्य की पूजा की जाए। इस पावन समय में सभी लोग स्वस्थ और निरोग रहें। हमारे पूर्वज विज्ञान जानते थे। आज का विज्ञान कहता है तिल में उच्च मात्रा में कैलोरी, प्रोटीन और स्वस्थ वसा होती है,

जो ठंडे मौसम में शरीर को ऊर्जा देती है। यह शरीर को गर्म रखने में मदद करता है। साथ ही तिल में कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक जैसे मिनरल्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। सर्दी में हड्डियों में दर्द और समस्याएँ बढ़ सकती हैं, लेकिन तिल इन समस्याओं को कम करने में मदद करता है। उसी तरह गुड़ के बारे में आज का विज्ञान कहता है कि गुड़ में प्राकृतिक गर्मी होती है, जो सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करती है। सर्दियों में कई बार शरीर में पानी की कमी और पाचन संबंधी समस्याएँ बढ़ जाती हैं और गुड़ इन समस्याओं को हल करने में मदद करता

है। सर्दियों में शरीर की इम्युनिटी कमजोर हो सकती है और गुड़ में आयरन और फोलिक एसिड की मौजूदगी से शरीर में खून की कमी पूरी होती है। गुड़ में एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं। यह सर्दी, जुकाम और फ्लू जैसी मौसमी बीमारियों से बचाव में मदद करता है। इन वैज्ञानिक गुणों के कारण सर्दी में गुड़ और तिल खाने की परंपरा हमारे पूर्वजों ने स्थापित की।

खिचड़ी क्यों खाई जाती है

मकर संक्रांति के समय शीत ऋतु अपने चरम पर होती है। इस मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो सकती है। खिचड़ी हल्का, सुपाच्य और गर्म भोजन है, जो शरीर को ठंड से संरक्षण देता है और पाचन को संतुलित रखता है। आधुनिक दृष्टि सेखिचड़ी में चावल और दाल का संयोजन होता है, जिसे आधुनिक में पूर्ण आहार माना जाता है। दाल से प्रोटीन, चावल से ऊर्जा घी से बल और अंजो कम करने में मदद करता है। उसी तरह गुड़ के बारे में आज का विज्ञान कहता है कि गुड़ में प्राकृतिक गर्मी होती है, जो सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करती है। सर्दियों में कई बार शरीर में पानी की कमी और पाचन संबंधी समस्याएँ बढ़ जाती हैं और गुड़ इन समस्याओं को हल करने में मदद करता

खिचड़ी सादा और सर्वसुलभ भोजन है। इसे सभी वर्गों के लोग एक समान रूप से ग्रहण कर सकते हैं, इसलिए यह समरसता और समानता का प्रतीक भी मानी जाती है। संक्रांति पर खिचड़ी खाना शरीर को स्वस्थ रखने, ऋतु के अनुकूल आहार लेने और धार्मिक पुण्य अर्पित करने, संगठन और समरसता का भाव बढ़ाने का प्रतीक है।

दान का महत्व

मकरस्थे दिवाकरे दानस्नानतपःक्रियाः। कृताः कोटिगुणं पुण्यं ददाति नात्र संशयः॥ अर्थात् - सूर्य के मकर राशि में स्थित होने पर किया गया दान, स्नान और तप करोड़ों गुना पुण्य प्रदान करता है, इसमें कोई संदेह नहीं। इसीलिए मकर संक्रांति के अवसर पर जरूरतपूर्वक को उनके लिए जरूरी चीजों का दान सभ्य और समर्थ लोगों को करने के लिए कहा गया है।

पतंग की प्रासंगिकता

इस अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है, ये भारतीय लोक संस्कृति का हिस्सा है। जो खुशी, उत्साह और उत्सव का प्रतीक है। पतंग उड़ाना एक हल्का व्यायाम है। खुले आकाश में रहने से मानसिक तनाव कम होता है। धूप में नहाने से शरीर को विटामिन-ऊ मिलता है जिससे शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

(लेखक- संस्कृति अध्येता एवं संपर्कार हैं।)

नेतरहाट से बेतला तक हरियाली का संकल्प: पेड़ का रक्षाबंधन बना जन-आंदोलन

नवप्रदेश/लातेहार। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दूर एंड ट्रैवल एजेंसी लातेहार टूरिज्म (रंजि) का प्रयास अब रंग लाता दिख रहा है। झारखंड की पहाड़ी नगरी नेतरहाट क्षेत्र में घटते जंगलों और बढ़ते पर्यावरणीय दबाव को देखते हुए लातेहार टूरिज्म द्वारा शुरू किया गया हूपेड़ का रक्षाबंधनह् अभियान आज एक प्रेरणादायक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है।

लातेहार टूरिज्म एवं नेचुरल एंड ह्यूमन रिसोर्स वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से शुरू हुई यह मुहिम अब नेतरहाट से आगे बढ़कर बेतला तक पहुंच गई है।

जनवरी के अंत तक टोरी आरओबी का डीपीआर होगा तैयार

नवप्रदेश/बब्लू खान/चंदवा। चतरा लोकसभा के सांसद कालीचरण सिंह शनिवार को चंदवा पहुंचे, जहां पथ निर्माण विभाग के विश्रामगार परिसर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जन संवाद के दौरान सांसद ने कार्यकर्ताओं और आम लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और कई अहम मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि उन्होंने घंटों तक कार्यकर्ताओं की बातें सुनी हैं और कई कार्यकर्ताओं ने लिखित रूप में भी अपनी समस्याएं सीपी हैं। उन्होंने कहा कि जन समस्याओं के समाधान के लिए वे शत-प्रतिशत प्रयास करेंगे। इस दौरान सबसे प्रमुख मुद्दा रांचीझवतरा मुख्य मार्ग पर स्थित टोरी रेलवे क्रॉसिंग का उठा, जहां आरओबी (रेल ओवरब्रिज) नहीं होने से क्षेत्र का विकास पूरी तरह बाधित हो रहा है। सांसद ने कहा कि टोरी रेलवे क्रॉसिंग की समस्या को वे तीन बार लोकसभा में उठा चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर पूरे मामले से अवगत कराया है। सांसद ने बताया कि मंत्री द्वारा इस मुद्दे पर सकारात्मक आश्वासन दिया गया है। उन्होंने रेल डिवीजन के पदाधिकारियों को दिल्ली ले जाकर भी स्थिति से अवगत कराया है। सांसद ने भरोसा दिलाया कि जनवरी महीने के अंत तक टोरी आरओबी का डीपीआर तैयार हो जाएगा और इसके बाद कार्य शुरू होने की पूरी सभावना है। जन संवाद के दौरान भाजपा नेता विजय कुमार दुबे ने चंदवा अस्पताल की बदहाल व्यवस्था की ओर सांसद का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने अस्पताल परिसर में ट्रामा सेंटर, ब्लड बैंक की आवश्यकता और डॉक्टरों की भारी कमी की जानकारी दी। इस पर सांसद ने तत्काल संज्ञान लेते हुए सिविल सर्जन लातेहार से दूरभाष पर बातचीत की और डॉक्टरों की कमी को यथासंभव दूर करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि ट्रामा सेंटर और ब्लड बैंक जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए वे राज्य सरकार से मजबूती से मांग रखेंगे। सांसद कालीचरण सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों से आए कार्यकर्ताओं से कहा कि जन समस्याएं चाहे छोटी हों या बड़ी, उन्हें मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष या स्वयं उन्हें फोन कर अथवा लिखित रूप में जरूर अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि चतरा उनका घर है और चतरा लोकसभा क्षेत्र में अगर विकास कार्य नहीं होते हैं तो उन्हें भी उनका ही दर्द होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए वे लगातार संघर्ष करते रहेंगे। सांसद ने जानकारी दी कि आगामी 17 जनवरी को लातेहार जिले में दिशा (जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति) की बैठक प्रस्तावित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पुल-पुलिया, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को लिखित रूप में दें, ताकि दिशा की बैठक में उन्हें राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के समक्ष मजबूती से रखा जा सके। इस अवसर पर नव नियुक्त जिला अध्यक्ष बंशी यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष लाल कौशल नाथ शाहदेव, विजय कुमार दुबे, राकेश दुबे, मुकेश पांडेय, राजकुमार पाठक, रामगुप्त चौधरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता, निर्मल कुमार शर्मा, नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष आशीष कुमार सिंह, राजेंद्र यादव, संजीव कुमार, आजाद मंदू केसरी, रिंकी वर्मा, रोहित शाहदेव, विजय कुमार साहू, दीपक निषाद, सिकेश्वर यादव, सूरज नारायण साहू, विनय कुमार साहू, गोपाल जयसवाल, विनोद कुमार गुड्डू समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। जन संवाद कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया और लोगों ने सांसद के आश्वासन को क्षेत्र के विकास के लिए उम्मीद की नई किरण बताया।

खास बात यह है कि अब पश्चिम बंगाल सहित देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले पर्यटक भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। नेतरहाट और बेतला भ्रमण के दौरान पर्यटक पुराने, विशाल और बहुमूल्य पेड़ों पर रक्षा-सूत्र बांधकर उन्हें किसी भी प्रकार की क्षति से बचाने का संकल्प ले रहे हैं।

आईआईटी (आईएसएम) के प्रोफेसर असीम कुमार मुखर्जी ने भी अपने नेतरहाट भ्रमण के दौरान इस अभियान में भाग लिया और पेड़ों पर रक्षा-सूत्र बांधकर लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे



आने की अपील की। उन्होंने लातेहार टूरिज्म की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान न केवल भावनात्मक रूप से लोगों को जोड़ता है, बल्कि यह

भी संदेश देता है कि प्रकृति की रक्षा अब किसी एक क्षेत्र की नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने चेताया कि यदि आज हम सचेत नहीं हुए, तो

अफीम के साथ एक गिरफ्तार, दूसरा फरार, 514 ग्राम अफीम बरामद



सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विनोद रवानी के नेतृत्व में गिदी मोड़ के पास वाहन

जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान सामने से आ रही एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पुलिस को देख भगने लगी। सशस्त्र बल के जवानों

आने वाली पीढ़ियां हरियाली के लिए तरसेंगी। इस अभियान में डॉ. सौरव मंडल, अर्पण मजुमदार, हिमांशु, आनंद राज घोष और सौगत डे जैसे पर्यटकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अन्य पर्यटकों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उनका कहना है कि नेतरहाट और बेतला की शांति, स्वच्छ हवा और हरियाली ने उन्हें यह समझाया कि पर्यटन का वास्तविक अर्थ प्रकृति से जुड़ना और उसकी रक्षा करना है।

पूरे अभियान में लातेहार टूरिज्म के गाइड सह सारथी इसकी सबसे

मजबूत कड़ी बनकर उभरे हैं। लातेहार टूरिज्म के गोविंद पाठक बताते हैं कि गाइड पर्यटकों को केवल दर्शनीय स्थलों का भ्रमण ही नहीं कराते, बल्कि जंगल, जैव-विविधता और पर्यावरण संतुलन के महत्व के प्रति भी जागरूक करते हैं। इसी कारण पर्यटक स्वेच्छा से इस मुहिम का हिस्सा बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में इस अभियान को बेतला से आसपास के गांवों तक ले जाने की योजना है, ताकि स्थानीय समुदाय भी पर्यावरण संरक्षण की इस पहल से जुड़ सकें।

एक नजर

परिवारिक विवाद के बाद युवक ने किटनाशक खाकर की आत्महत्या की कोशिश



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता/ बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के चितरपुर गांव में घरेलू विवाद के बाद एक युवक द्वारा जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। घटना से गांव में अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार चितरपुर गांव निवासी आशीष उरांव 26 वर्ष पिता रामेश्वर उरांव का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद गुर्रसे में आकर आशीष उरांव ने जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को अचेत अवस्था में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सक सुरेंद्र कुमार ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। समय पर इलाज मिलने से युवक की स्थिति में सुधार बताया जा रहा है।घटना के बाद परिजन सहमे हुए हैं, वहीं स्थानीय लोग भी इस तरह की घटनाओं को लेकर चिंता जता रहे हैं। चिकित्सकों ने बताया कि समय पर उपचार मिलने से युवक की जान बचाई जा सकी।

ट्रेक्टर से गिरकर 14 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल, सदर अस्पताल रेफर



नवप्रदेश/बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के लावागड़ा गांव में ट्रैक्टर से गिरने के कारण एक 14 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे की पहचान अमन भगत (14 वर्ष), पिता महेंद्र भगत, निवासी लावागड़ा, थाना बालूमाथ के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अमन भगत ट्रैक्टर पर चढ़कर खेल रहा था। इसी दौरान अचानक पैर फिसल जाने से वह ट्रैक्टर से नीचे गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद परिजनों द्वारा उसे तत्काल घायल अवस्था में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने बच्चे का प्राथमिक उपचार किया।हालांकि, उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल लातेहार रेफर कर दिया गया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने बच्चों को भारी वाहनों के आसपास खेलने से रोकने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। परिजनों का रें-रोकर बुरा हाल है और वे बच्चे के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

अनाथ बच्चों का सेवा करना और उज्जवल भविष्य बनाना अब पहला प्राथमिकता है:अध्यक्ष कमलेश यादव



नव प्रदेश संवाददाता:सुरेंद्र कुमार झारखंड में कड़के के ठंड को देखते हुए लातेहार जिले के महुआडांड प्रखंड क्षेत्र ग्राम रामपुर में आरपीएस सेवा संस्था ट्रस्ट अनाथ आश्रम में सतबरवा निवासी निर्दोष कुमार ने सैंकड़ो अनाथ बच्चों को गर्म कंबल टोपी जैकेट शुवेदार इत्यादि वस्त्र का वितरण किये,जब सेवा भाव और सामाजिक जिम्मेवारी एक साथ निभाई जाती है तब उसके परिणाम समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बनते हैं,ऐसे ही काई सराहनीय उदाहरण भी है,मंगलवार को 84 किलोमीटर चलकर महुआडांड रामपुर आरपीएस अनाथ आश्रम गांव पहुंचे सतबरवा समाजसेवी निर्दोष कुमार ने आरपीएस अनाथ आश्रम को निरीक्षण करते हुए,अनाथ आश्रम में बच्चों से परिचय प्राप्त करते हुए सभी बच्चों को कई विभिन्न तरह का गर्म कपड़ा अपने हाथों से पहनने का काम किये,निर्दोष कुमार ने अनाथ बच्चों को काहे की आप सभी अपना तन मन पढ़ाई के प्रति निष्ठापूर्ण मन लगाकर पढ़ाई में ध्यान दें,और आरपीएस संस्था के अध्यक्ष-कमलेश यादव और पूरे परिवार को इस तरह का सराहनीय महान कार्य को काबिलिये तारीफ करते हुुए सभी परिवार के साथ अनाथ बच्चों को दिए बहुत-बहुत धन्यवाद,साथ ही निर्दोष कुमार ने अनाथ बच्चों के लिए महान दानदताओं से सहयोग करने के लिए अपील किये,अनाथ बच्चों का वस्त्र का व्यवस्था सतबरवा निवासी अवध किशोर प्रसाद के उनके पुत्र राम प्रसाद श्रेया वस्त्र और महेंद्र सोनी के पुत्र पिटू सोनी और सुजीत प्रसाद के द्वारा वस्त्र उपलब्ध कराया गया था, और पत्रकार सुरेंद्र कुमार भुइयां के अध्यक्षता में अनाथ बच्चों को वस्त्र वितरण किया गया,मौके पर निर्दोष कुमार,गुड्डू कुमार सिंह,रोशन कुमार और अंकु इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित थे,

भाजयुमी जिलाध्यक्ष नित्यानंद मंडल की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती श्रद्धा भाव के साथ मनाई गई

धनबाद : पार्क मार्केट हीरापुर में सोमवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल की अध्यक्षता में आधुनिक भारत के महान विचारक और युवाओं के युगपुरुष स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती श्रद्धा भाव से मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने विवेकानंद जी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने विजय पटल पर भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का गौरव बढ़ाया। आज के युवाओं को उनके 'उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको' के मंत्र को अपने जीवन में उतारना चाहिए ताकि हम एक सशक्त और विकसित भारत का निर्माण कर सकें। भाजयुमो के धनबाद महानगर जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने कहा कि युवा मोर्चा स्वामी विवेकानंद के पदचिन्हों पर चलने के लिए संकल्पित है। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और विवेकानंद जी के विचार हमें निस्वार्थ सेवा और अनुशासन की प्रेरणा देते हैं। जिला महामंत्री मानस प्रसून ने कहा कि स्वामी जी ने दुनिया को मानवता और भाईचारे का संदेश दिया। आज के डिजिटल युग में भी उनके विचार उतने ही प्रासंगिक हैं जितने दशकों पहले थे। युवाओं को अपनी ऊर्जा राष्ट्रहित में लगानी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला मंत्री नरेंद्र त्रिवेदी, सदर मंडल अध्यक्ष राजा राम दत्ता , नीरज शर्मा, अमोद साहू और किरण सिंह समेत युवा मोर्चा के कई उत्साही साथी उपस्थित थे। सभी कार्यकर्ताओं ने स्वामी जी के बताए मार्ग पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया।

बरवाडीह पंचायत सचिवालय के सामने हाईटेंशन तार बना जानलेवा

दो बार हादसे के बाद प्रशासन हरकत में

नवप्रदेश/बरवाडीह। बरवाडीह पंचायत सचिवालय के सामने गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन विद्युत तार एक बार फिर हादसे का कारण बन गए। खतरनाक रूप से नीचे लटकें इस तार की चपेट में आने से दो अलग-अलग अवसरों पर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। पहली घटना क्रिसमस के मौके पर बधाई बैनर लगाने के दौरान हुई थी, जबकि दूसरी घटना सोमवार की शाम मकर संक्रांति का बैनर लगाने समय सामने आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मकर संक्रांति के अवसर पर प्रमंडलीय

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा पंचायत सचिवालय के सामने बैनर लगाया जा रहा था। इसी दौरान एक युवक अनाजाने में 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को तत्काल तार से अलग किया, जिससे उसकी जान बच सकी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यदि कुछ सैकेंड की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि मौके पर समय पर

एम्बुलेंस नहीं पहुंच सकी, जिसे लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई। लोगों ने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं में त्वरित चिकित्सा सहायता अत्यंत आवश्यक होती है। लगातार दूसरी बार हुई दुर्घटना के बाद प्रखंड प्रशासन हरकत में आया। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) रेस्मा रेखा मिंज के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पंचायत सचिवालय के सामने स्थित विद्युत पोल-खंभे को कटिंग

कर हटाय़ा गया। इससे क्षेत्र में भविष्य में किसी भी प्रकार की विद्युत दुर्घटना की आशंका को कम किया जा सका है। स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है। साथ ही उन्होंने मांग की है कि पंचायत सचिवालय, स्कूल, अस्पताल, बाजार और अन्य सार्वजनिक स्थलों के आसपास गुजर रहे विद्युत तारों की नियमित जांच कर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि समय रहते यदि



सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति हो सकती है। बरवाडीह में हुई इस घटना ने एक बार फिर विद्युत सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों पर गंभीर

सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि भविष्य में ऐसे जोखिम भरे स्थानों की पहचान कर स्थायी समाधान किया जाए, ताकि किसी की जान खतरे में न पड़े।



संक्षिप्त समाचार

श्रेयस अय्यर राजकोट वनडे में सबसे तेज 3,000 रन बनाने वाले भारतीय बन सकते हैं
राजकोट, ।

मध्यक्रम के धुरंधर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने इंजरी से रिकवर करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में वापसी की है। अय्यर ने रवि-वार को वडोदरा में खेले गए पहले वनडे में 47 गेंद पर 49 रन की पारी खेल अपने फॉर्म में होने के संकेत दिए थे। बुधवार को दूसरा वनडे राजकोट में खेला जाना है। इस वनडे में श्रेयस अय्यर सबसे तेज 3,000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन सकते हैं।



श्रेयस अय्यर राजकोट में अपनी 69वीं पारी खेलेंगे। इस मैच में 34 रन बनाते ही उनके 3,000 वनडे रन पूरे हो जाएंगे। अगर वह ये उपलब्धि हासिल कर पाते हैं, तो भारत की तरफ से वनडे फॉर्मेट में सबसे तेज 3,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारत की तरफ से वनडे में सबसे तेज 3,000 रन बनाने का रिकॉर्ड पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम है। शिखर ने 72 पारियों ये आंकड़ा छुआ था। दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 75 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। इन दोनों के साथ ही श्रेयस के पास केएल राहुल (78 पारी), नवजोत सिंह सिद्धू (79 पारी), और सौरव गांगुली (82 पारी) को भी पीछे छोड़ देंगे। वनडे में सबसे तेज 3,000 रन बनाने का ओवरऑल रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज हाशिम आमला के नाम है। आमला ने महज 57 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, ब्रैंडन किंग होंगे कप्तान



सैंट जॉन्स, ।
टी20 विश्व कप 2026 से पहले वेस्टइंडीज को अफगानिस्तान के खिलाफ यूएई में 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए क्रिकेट वेस्टइंडीज ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। नियमित कप्तान शाई होप इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह ब्रैंडन किंग को टीम का कप्तान बनाया गया है। ब्रैंडन किंग पूर्व में कुछ मौकों पर टीम की कप्तानी कर चुके हैं। शाई होप, रोस्टन चेज, और अकील हुसैन फिलहाल दक्षिण अफ्रीका में चल रही एसए20 लीग में खेल रहे हैं। इस वजह से वे अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। शमर जोसेफ और एर्विन लुईस ने इंजरी से उबरने के बाद टीम में फिर से जगह बना ली है। अलजारी जोसेफ को फिट होने के लिए अतिरिक्त समय देने के लिए एहतियात के तौर पर स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। क्वेंटिन सैम्पसन को पहली बार टीम में जगह मिली है। वह रोवमैन पॉवेल की जगह लेंगे, जिन्हें वर्कलोड मैनेजमेंट के हिस्से के तौर पर जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज के लिए आराम दिया गया है। हेड कोच डैरेन सैमी ने बताया कि यह सीरीज न सिर्फ आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले तैयारी के लिए बेहतरीन मौका है,

आईसीसी ने बांग्लादेश की विश्वकप मैचों के आयोजन स्थल बदलने की मांग दुकरायी

भारत में सुरक्षा का कोई खतरा नहीं



दुबई ।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से साफ कह दिया है कि उसके टी20 विश्वकप मैच किसी अन्य देश में नहीं रखे जाएंगे। आईसीसी ने बीसीबी के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को भारत में खतरा है। वहीं इससे पहले बीसीबी ने आईसीसी से कहा था कि भारत में उसके खिलाड़ियों की सुरक्षा को खतरा है, इसलिए उसके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिये जाएं। इससे साथ ही ये भी धमकी दी कि ऐसा नहीं होने पर वह मैचों का बायकाट कर सकता है। वहीं आईसीसी ने

आसिफ नजरूल ने दावा किया था कि आ-ईसीसी ने 2026 टी20 विश्व कप से पहले देश को संभावित सुरक्षा जोखिमों के बारे में आगाह किया था। नजरूल ने कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम में शामिल करने को संभावित खतरे के रूप में बताया था। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सार्वजनिक रूप से बांग्लादेशी प्रशंसकों द्वारा अपनी राष्ट्रीय जर्सी पहनने और देश में चुनाव के समय को लेकर चिंता जताई गई थी। आ-ईसीसी की ओर से कहा गया कि उसने कभी भी यह सुझाव नहीं दिया कि टीमों को सुरक्षा कारणों से खिलाड़ियों का चयन या बहिष्कार करना चाहिए या समर्थकों को राष्ट्रीय रंग पहनने से बचना चाहिए, या टूर्नामेंट के लिए चुनाव या अन्य घरेलू प्रक्रियाओं में बदलाव करना चाहिए। ह्रीं आईसीसी ने बीसीसीआई और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर बनाई जा रही सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से सही बताया और कहा कि भरोसा जताया है और कहा है कि भारत का बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी का रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। साथ ही कहा कि टूर्नामेंट के लिए सुरक्षा योजनाओं की लगातार समीक्षा की जाएगी और इसमें सभी भाग लेने वाले बोर्ड, जिसमें बांग्लादेश भी शामिल है से पूरी प्रक्रिया के दौरान सलाह ली जाएगी। आईसीसी ने ये भी साफ कर दिया कि अब टूर्नामेंट के कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया जाएगा।

राहुल बन सकते हैं बेहतर फिनिशर : आकाश चोपड़ा



मुंबई ।
पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से वह खेल रहे हैं उससे पता चलता है कि उनमें जबरदस्त फिनिशर बनने की क्षमताएं हैं। चोपड़ा के अनुसार राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय में नाबाद 29 रन ही बनाये पर एक छोर थामे रखा। वहीं जब टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गिरने से दबाव में थी तब अच्छी साझेदारी बनाकर उसे उबारा। राहुल ने ऑलराउंडर हर्षित राणा के साथ 37 रनों की स-झेदारी की जिसमें ऑलराउंडर ने ज्यादातर रन बनाए जबकि राहुल

दूसरे एकदिवसीय को भी जीतकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी भारतीय टीम

भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा मुकाबला

राजकोट ।

पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां के निर्जन शाह स्टेडियम में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में भी जीत का सिलसिला बरकारार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 301 रनों का भी लक्ष्य हासिल कर लिया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज लय में हैं जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। पहले एकदिवसीय में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 93 रनों की शानदार पारी खेली थी। वहीं केएल राहुल ने भी मैच फिनिशर की जिम्मेदारी निभाई। ऑलराउंडर हर्षित राणा ने गेंद और

बल्ले दोनो से ही अपनी जिम्मेदा-री अच्छी तरह से निभाई थी। भारतीय टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे हैं। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड ने भी पहले एकदिवसीय में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की थी हालांकि वह मैच नहीं जीत पायी थी। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में किसी भी हाल में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना रहेगा। पहले एक-दिवसीय में कीवी टीम बीच के ओवरों में दबाव बनाने में सफल रही थी हालांकि राहुल ने धैर्य से बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाकर भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया था। राजकोट की पिच आमतौर पर बल्लेबाजों की सहायक मानी जाती है, ऐसे में यहां बड़ा स्कोर बनना तय है। यह मुकाबला दोनों



टीमों के लिए बेहद अहम है. भारत जहां जीत के साथ 2-0 की अजेय बढ़त लेना चाहेगा, वहीं न्यूजीलैंड की टीम जीत कर सीरीज में बने

अपना एकदिवसीय डेब्यू करेंगे।
दोनों ही टीमों की भारत की संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आयुष बाडोनी और प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग 11

माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवन कॉन्ने, हेनरी निकल्स, विल यंग, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल हे (विकेटकीपर), जाकरी फाउल्क्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमिसन और आदित्य अशोक।

टी20 वर्ल्ड कप: भारत से बाहर मैच करवाने पर अड़ा बांग्लादेश, आईसीसी ने फिर से सोचने को कहा

हाका, ।
बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मंगलवार को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की, जिसमें सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत न जाने के फैसले को दोहराया। बोर्ड चाहता है कि बांग्लादेश के मुकाबले भारत से बाहर किसी अन्य वेन्यू पर हों। भले ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपने देश के मुकाबले भारत से बाहर शिफ्ट करवाने का अनुरोध किया है, लेकिन आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया है कि टूर्नामेंट का शेड्यूल पहले ही तय है। इसी के साथ आईसीसी ने बीसीबी से अपने फैसले पर फिर से सोचने का आग्रह किया, लेकिन बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड अपने फैसले पर कायम रहा। आईसीसी ने इसमें शामिल लॉजिस्टिकल चुनौतियों पर जोर दिया है। दोनों पक्ष एक संभावित समाधान खोजने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए। बीसीबी ने बयान में कहा, मंगलवार दोपहर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के बीच पुरुष टी20



वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश नेशनल क्रिकेट टीम की भागीदारी पर चर्चा करने के लिए एक वीडियो कॉन्फ्रेंस हुई। चर्चा के दौरान, बीसीबी ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत न जाने के अपने फैसले के बारे में अपनी स्थिति की पुष्टि की। बोर्ड ने आ-ईसीसी से बांग्लादेश के मुकाबलों को भारत से बाहर शिफ्ट करने को लेकर विचार करने का भी अनुरोध दोहराया है। इस मीटिंग में प्रेसिडेंट मोहम्मद अमीनुल इस्लाम, वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद शकावत हुसैन और फारूक अहमद, डायरेक्टर और क्रिकेट ऑपरेशंस कमेटी के चेयरमैन नजमुल आबेदीन और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर

निजामुद्दीन चौधरी ने किया। अपनी प्राथमिकताओं की पुष्टि करते हुए, बीसीबी ने इस बात पर जोर दिया है कि खिलाड़ियों और स्टाफ की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा, ह्वीसीबी अपने खिला-ड़ियों, अधिकारियों और स्टाफ की भलाई की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, जबकि इस मामले को सुलझाने के लिए आईसीसी के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। 7 फरवरी से पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत होगी। ऐसे में शेड्यूल में किसी भी बदलाव की संभावना बहुत कम है। उम्मीद है कि आईसीसी जल्द ही इस मामले पर अंतिम फैसला लेगा।

डोमचांच में माइक्रो फाइनंस कंपनी की दबंगई!**कर्मचारी को बंधक बनाकर कराया गया काम, वेतन-पेट्रोल पैसा रोका, विरोध करने पर बेरहमी से पीटा**

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा जिले के 'डोमचांच में' चैतन्या इंडिया माइक्रो फाइनंस कंपनी पर मानवाधिकारों को शर्मसार करने वाले गंभीर आरोप लगे हैं। कंपनी के 22 वर्षीय कर्मचारी सचिन कुमार राणा ने डोमचांच थाना में लिखित शिकायत देकर प्रबंधन और कर्मचारियों पर बंधक बनाकर जबरन काम कराने, वेतन और पेट्रोल खर्च रोकने तथा विरोध करने पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है। पीड़ित सचिन, ग्राम मलकोको (बरही, हजारीबाग) निवासी है और अगस्त 2025 से कंपनी में कार्यरत था। आवेदन में उसने बताया कि कंपनी कम वेतन देती थी और फील्ड इव्यूटी के लिए मिलने वाला पेट्रोल खर्च भी पूरा नहीं दिया जाता था। नवंबर 2025 से उसे धमकाकर कंपनी में रोकें रखा गया और पैसे रोककर जबरन काम कराया जाने लगा। सचिन के अनुसार 13 जनवरी 2026 को जब उसने नौकरी छोड़ने का आवेदन दिया तो मैनेजर विकास कुमार के इशारे पर अन्य कर्मचारियों ने उसके साथ मारपीट की। उसे जमीन पर पटककर गला दबाया गया, मोबाइल फोन और बाइक की चाबी छीन ली गई तथा कंपनी की जानकारी लोक करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। किसी तरह जान बचाकर वह वहां से भाग सका। डरे- सहमे पीड़ित ने दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मकर संक्रांति पर पूर्व विधायक के आवास पर सामूहिक भोज का आयोजन

नवप्रदेश/चौपारण। बरही विधानसभा के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला के चौपारण स्थित आवास पर मकर संक्रांति का पर्व पारंपरिक उल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सामूहिक भोज में हजारों की संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए और एक-दूसरे के साथ पर्व की शुभ्रियां साझा कीं। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने अतिथियों का स्वागत कर एवं मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देकर की। आयोजन स्थल पर उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने चूड़ा, गुड़ और तिलकुट जैसे पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेकर पर्व का आनंद उठाया। इस अवसर पर बरही डीएसपी अजीत कुमार विमल, इंस्पेक्टर चंद्रशेखर कुमार, अंचलाधिकारी संजय यादव सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। डीएसपी अजीत कुमार विमल ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पर्व समाज में भाईचारे और एकता का संदेश देते हैं तथा प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करते हैं। राजनीतिक क्षेत्र से कांग्रेस जिला अध्यक्ष जोगी भाई पटेल, ज़िप सदस्य रवि शंकर अकेला, कांग्रेस नेता रेवाली पासवान, चैथी मुखिया अर्पें उर्फ गुलाबी यादव, मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु भगत सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कोडरमा के तीन कबड्डी खिलाड़ी झारखंड टीम में चयनित, पदाधिकारियों ने दी शुभकामनाएँ

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। कोडरमा जिला कबड्डी संघ के लिए गर्व का विषय है कि जिले के तीन होनहार खिलाड़ियों का चयन झारखंड राज्य टीम में हुआ है। ये खिलाड़ी 51वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता (बालक वर्ग) में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिसका आयोजन 15 से 18 जनवरी तक विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों में नवाज दिलशान पिता मिर्जा नबीम बेग, भदोडीह, झुमरी तिलैया), रवि कुमार श्रिता प्रभु यादव, तिलैया डेम, सिमरिया एवं बिट्टू कुमार पिता पंकज कुमार, सुंदर नगर, कोडरमा शामिल हैं। इस उपलब्धि पर कोडरमा जिला कबड्डी संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद प्रदान किया। संघ के अध्यक्ष सदीप कुमार सिन्हा, सचिव श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह उपाध्यक्ष विकास कुमार, तौफीक हुसैन, सह सचिव जय गोपाल शर्मा, विजय कुमार साव एवं दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष विशाल सिंह, तकनीकी अध्यक्ष कुंदन कुमार राणा, तकनीकी प्रमुख सुनील कुमार साव, प्रवीण कुमार, राजू रंजन सिन्हा एवं श्रवण कुमार, तथा कार्यकारिणी सदस्य आदित्य कुमार ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने एवं पदक जीतकर जिले व राज्य का नाम रोशन करने का आशीर्वाद दिया। पदाधिकारियों ने कहा कि यह चयन खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। यह सफलता आने वाली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

पहाड़पुर में दर्दनाक सड़क हादसा, तीन सवारों की बाइक अनियंत्रित होकर गिरी, बुजुर्ग की मौत, दो फरार

नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांच (कोडरमा) के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-गिरिडीह मुख्य मार्ग पर स्थित पहाड़पुर में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 69 वर्षीय बहादुर सिंह की मौत हो गई। मृतक ग्राम खरखार, थाना नवलशाही के निवासी थे। स्थानीय लोगों के अनुसार एक ही मोटरसाइकिल पर तीन लोग सवार होकर नवलशाही से डोमचांच की ओर जा रहे थे। पहाड़पुर के पास बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे के बाद दो लोग मौके से फरार हो गए, जबकि बहादुर सिंह गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क पर पड़े रहे। घटना की सूचना मिलते ही पीसीआर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल पीसीआर वाहन से सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इधर हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुा हाल है। वहीं नवलशाही पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल को जन्म कर थाना परिसर में सुरक्षित रखा है और मामले की जांच में जुट गई है।

नहीं रहे भाजपा नेता बालमुकुंद सिंह, सतगावां राजनीतिक जगत में शोक की लहर

नव प्रदेश संवाददाता सतगावां। प्रखंड में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सह मंडल प्रतिनिधि मरचोई गाँव निवासी बालमुकुंद सिंह उम्र 60 वर्ष की मौत सोमवार की रात्रि दिल का दौरा पड़ने से हो गयी। निधन की खबर सुनकर भाजपा कार्यकताओं के अलावे प्रखंड व जिला में शोक की लहर दौड़ गयी। वहीं पूर्व शिक्षा मंत्री सह कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव,जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय आदि उनके आवास पर पहुंचे कर शोक संवेदना जताई।कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव व जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने उनके पार्थिव शरीर पर भाजपा के झंडा में

लपेटकर अंतिम संस्कार के लिए मरचोई स्थित सकरी नदी के तट पर ले गए,जहां उनका दाह संस्कार किया गया। कार्यकताओं की पार्टी कहे जाने वाली भाजपा एक पीढ़ी का अंत हो गया तत्पश्चात कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव व भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी आदि ने कहा कि उनके निधन पर शोक जताते हुए कहा कि पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। वे सिर्फ नेता ही नहीं एक सच्चे समाजसेवी के रूप में हमेशा कार्य करते रहे। निधन की सूचना पर थाना प्रभारी सौरभ कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त इंजीनियर उपेंद्र सिंह, झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय,



भाजपा मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह,नरेश यादव,सांसद प्रतिनिधि विनोद यादव, ज़िप प्रतिनिधि धनंजय यादव, पूर्व मुखिया सुनील सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल यादव, भाजपा नेत्री ब्यूटी कुमारी, विधायक प्रतिनिधि कंचन कुमारी, अनुश्रवण समिति के सदस्य मनोज भगत, अरविंद सिंह, पुरुषोत्तम सिंह आदि पहुंचे और शोक संतप्त परिवार से भेंट कर ढांढस बंधाया। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि स्व.बालमुकुंद सिंह पार्टी के वफादार सिपाही की तरह काम करते रहे। उनके निधन से पार्टी की नहीं उन्हें व्यक्तिगत क्षति हुई

है। वहीं झामुमो जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय ने कहा कि स्व बालमुकुंद सिंह पार्टी से हटकर मिलनसार व्यक्ति थे उन्हें अपने पार्टी के प्रति निष्ठा और समर्पण का आदर देखा हूँ। उपप्रमुख मनोज निराला, मुखिया संघ अध्यक्ष उत्तम सिंह, राजद नेता सुनील यादव,सुधीर सिंह, सी आरपीएफ कमांडेंट अमरेश सिंह, विकास पाण्डेय, धीरज सिंह, बालमुकुंद पाण्डेय, राजेंद्र पाण्डेय,नित्यानंद सिंह, संजय सिंह, विजय सिंह, दुर्गा राय, नरेश राय, संतोष सिंह, कौशल सिंह आदि ने उनके असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

आरोपी गिरफ्तार जांच पड़ताल शुरू

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश नाकाम, प्रशासनिक तत्परता से शांत हुआ दो समुदायों का गुस्सा

नव प्रदेश संवाददाता सतगावां। थाना क्षेत्र मीरगंज प्रखंड के मीरगंज क्षेत्र में प्रशासन की तत्परता और स्थानीय लोगों की सुझबुझ से एक बड़ा टकराव टल गया। मामला एक मंदिर के कुएं में आपत्तिजनक सामग्री फेंके जाने से शुरू हुआ, जिससे इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था, लेकिन समय रहते पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। जानकारी के अनुसार,



मीरगंज स्थित एक मंदिर के अंदर बने कुएं में एक विशेष समुदाय के व्यक्ति द्वारा मिट्टी की हॉडया में कुछ सॉदग्व वस्तु डालकर फेंक दी गई। उस समय मंदिर में पूजा कर रही महिलाओं ने यह देख लिया और शोर मचाया। देखते ही देखते यह खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई और

मंदिर परिसर में लोगों की भारी भीड़ जमा होने लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय बुद्धिजीवियों ने तुरंत सतगावां थाना को सूचित किया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सौरव कुमार शर्मा दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को शांत कराया।

जमाबंदी विवादित भूमि पर निर्माण पर रोक, आदेश की अवहेलना कर निर्माण कार्य जारी

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के मौजा मानगढ़, थाना चौपारण अंतर्गत खाता संख्या 71, प्लॉट संख्या 303, रकबा 1.35 एकड़ भूमि से जुड़े जमाबंदी केन्सिलेशन वाद संख्या 21/25 (अर्जुन पाण्डेय बनाम रामेश्वर महतो) में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मामला भूमि सुधार उप समाहर्ता, बरही के न्यायालय में विचाराधीन है। वादी अर्जुन पाण्डेय, पिता स्व. त्रिलोक की पाण्डेय ने न्यायालय में आवेदन देकर आरोप लगाया है कि प्रतिवादी पक्ष द्वारा विवादित भूमि पर छुपके से मकान निर्माण कराया जा रहा है, जो न्यायालयीन प्रक्रिया का



उल्लंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए भूमि सुधार उप समाहर्ता, बरही ने अंचल अधिकारी, चौपारण को निर्देश

दिया है कि अंतिम आदेश पारित होने तक उक्त भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस संबंध में जारी पत्र के साथ वादी के आवेदन की छायाप्रति संलग्न कर भेजी गई है। वहीं, ज़ापांक 1092/रा०, दिनांक 30/12/2025 के तहत थाना प्रभारी, चौपारण को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रतिलिपि प्रेषित की गई है। जिसके बाद भी एक पक्ष रामेश्वर महतो के द्वारा प्रशासन के आदेश की ठेगा दिखा लगातार निर्माण कार्य कर रहे है।

18 हजार में बिके चौपारण के करण बने डीपीएल सीजन-2 की नई पहचान

नवप्रदेश/चौपारण। डीपीएल सीजन-2 की नीलामी इस बार चौपारण के एक उभरते सितारे के नाम रही। स्थानीय क्रिकेट से संघर्ष कर आगे बढ़े ऑलराउंडर करण केशरी को नीलामी में 18 हजार रुपये में खरीदा गया, जिसके साथ ही वे इस सीजन के सबसे चर्चित नए चेहरों में शामिल हो गए। नीलामी के दौरान जैसे ही उनका नाम पुकारा गया, तालियों की गूंज ने यह साफ कर दिया कि करण ने अपनी मेहनत से लोगों का दिल जीत लिया है।



स्थानीय क्रिकेट में उनके निरंतर बेहतर प्रदर्शन ने चयनकताओं और टीम इब्राहिम का ध्यान अपनी ओर खींचा। डीपीएल जैसे बड़े मंच पर चयन को उनके करियर का अहम मोल का पत्थर माना जा रहा है। क्रिकेट प्रेमियों का कहना है कि यदि करण को सही मौके मिले, तो वे किसी भी मैच का रुख पलटने की क्षमता रखते हैं। डीपीएल सीजन-2 में अब सभी की नजरें इस नए सितारे पर टिकी हैं।

प्रमुख प्रतिनिधि ने बिरहोर परिवारों के बीच चूड़ा तिलकुट का वितरण किया



नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड अंतर्गत पंचायत बसरिया के ग्राम कठम्बा बिरहोर टोला एवं रामपुर पंचायत के नावागढ़ में बिरहोर परिवारों के बीच चूड़ा, तिलकुट,गुड का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व चौपारण प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बिरहोर जैसे आदिवासी और वंचित समुदाय के लोगों के बीच आपसी सौहार्द, सहयोग और सामाजिक जुड़ाव को मजबूत करना था। ठंड के मौसम में चूड़ाझतिलकुट-गुड जैसे पारंपरिक खाद्य पदार्थों का वितरण कर जरूरतमंद परिवारों को राहत देने का प्रयास किया गया। साथ ही मकर संक्रांति जैसे त्योहार गरीब परिवार भी मना सके इस भावना से उदय राणा के साथ दर्जनों युवाओं ने आप सहभागिता निभाई। वहीं उदय राणा ने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक सहयोग पहुंचाना ही सच्ची सेवा है, और आगे भी इस तरह के सामाजिक कार्यक्रम लगातार किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने एकजुट होकर समाजसेवा के इस प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर छात्र नेता धीरज प्रजापति, पत्रकार चंदन राणा, बजरंग दल प्रखंड संयोजक दयानंद यादव, चिककी प्रजापति, उमेश साव, शिक्षक प्रेम प्रजापति, अमन राणा, अभय यादव, पिकिश यादव , लक्ष्मण राज सहित कई युवा सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा माह में वाहनों पर लगी रिप्लेक्टिव टेप, चालकों को दिया गया सुरक्षा का संदेश

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। जिले में सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत जिला प्रशासन द्वारा शार्डनिंग सेपटी कार्यक्रम के अंतर्गत सघन जागरूकता एवं जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर वाहनों में स्ट्रे रिप्लेक्टिव टेप लगाई गई, ताकि रात के समय दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। साथ ही वाहनों की हेडलाइट, इंडिकेटर और ब्रेक लाइट की भी जांच की गई। वाहन चालकों को अपने वाहनों को बेहतर स्थिति में रखने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी, विभागीय कर्मचारी एवं सड़क सुरक्षा दल की सक्रिय मौजूदगी में यह अभियान प्रभावी रूप से संचालित हुआ। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की कि वे सुरक्षित ड्राइविंग को अपनी आदत बनाएं और सड़क पर जिम्मेदारी के साथ चलें।



भाजपा झुमरी तिलैया नगर मंडल उत्तरी में नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ भव्य स्वागत

नव प्रदेश संवाददाता झुमरी तिलैया। भारतीय जनता पार्टी झुमरी तिलैया नगर मंडल उत्तरी के नवनियुक्त अध्यक्ष इन्द्रदेव वर्णवाल एवं मंडल प्रतिनिधि महादेव दास के चयन पर संगठन स्तर पर हर्ष का माहौल देखा गया। इस अवसर झुमरी तिलैया मण्डल प्रतिनिधि (दक्षिणी) संजय शर्मा के कार्यालय में इन्द्रदेव वर्णवाल एवं महादेव दास को माला पहनाकर सम्मानित किया गया तथा मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी गई। जिसमें जिले के कई गणमान्य नेता एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।



बैठक में मंडल प्रतिनिधि (उत्तरी)बनाए गए महादेव दास

एवं झुमरी तिलैया उत्तरी क्षेत्र के नगर अध्यक्ष बनाए गए इन्द्रदेव

वर्णवाल का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया तथा मिठाइयों

का वितरण किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष इन्द्रदेव वर्णवाल ने कहा कि झुमरी तिलैया नगर में भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को और अधिक कदम दी जाएगी। पार्टी की स्थिति को पहले से भी अधिक सशक्त और मजबूत बनाया जाएगा। संगठन के विस्तार, बृ्थ स्तर तक मजबूती और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष देव नारायण मोदी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनीति सेठ, जिला मंत्री शशि भूषण

चौधरी पूर्व मीडिया प्रभारी चन्द्रशेखर जोशी ,नगर मंडल प्रतिनिधि (दक्षिणी)संजय शर्मा, पूर्व नगर अध्यक्ष सुधीर सिंह,बि.नोद सिन्हा रीता लोहानी, अमर सिंह, अंकित गुप्ता, विकास जैन, निरंजन कंसरा, चन्दन बर्णवाल, राहुल गुप्ता, सोनू चंद्रवंशी, अरविंद बर्णवाल, शंकर मोदी, राजू केशरी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और सभी ने संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया।

अपने सबसे बड़े दुश्मन खामेनेई को बिगटाने के लिए तकनीक का सहारा ले सकते हैं ट्रंप

वाशिंगटन,।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच फिर तकनीक को डिजिटल हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की चर्चा है। ईरान में आतंकवादी अल्ले खामेनेई को स-रकार के खिलाफ चल रहे व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा संकेत दिया है कि ये इंटरनेट बहाली के लिए टेस्ला और स्पेसएक्स प्रमुख फ्लान मस्क से बातचीत कर सकते हैं। इस कदम को कई विशेषज्ञ बेनेजुला मॉडल से जोड़कर देख रहे हैं, जहां राजनीतिक संकट के दौरान स्टारलिक के जरिए इंटरनेट सेवा उपलब्ध हुई थी। ईरान में 28 दिसंबर से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन पहले बढ़ते महंगे और बेरोजगारी के खिलाफ थे, लेकिन धीरे-धीरे वे सरकार और 1979 को इस्लामिक क्रांति के बाद से सत्ता में बैठे धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ आंदोलन में बदल गए। हालात बिगड़ते देख ईरानी सरकार ने देश



के बड़े हिस्से में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दीं, जिससे आम नागरिकों का बाहरी दुनिया से संपर्क करीब पूरी तरह टूट गया। मानवाधिकार संकेतकों के अनुसार, इन प्रदर्शनों को दबाने के लिए की गई कार्रवाई में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है, हालांकि अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस लेकर ट्रंप ने कहा कि ईरान अमेरिका से बातचीत करना चाहता है और वह इस पर विचार कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि ईरान में इंटरनेट बहाली को लेकर वे

सर्जों की गई थी। हालांकि ईरानी सरकार ने तब और अब दोनों ही मौकों पर सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को जाम करने और उनके इस्तेमाल को रोकने के प्रयास किए हैं। बेनेजुला में इस साल की शुरुआत में स्टारलिक द्वारा मुफ्त ब्रा-डबैंड सेवा उपलब्ध कराए जाने को ट्रंप प्रशासन के लिए एक उ-दाहरण के तौर पर देखा जा रहा है। उस समय राजनीतिक अस्थिरता और इंटरनेट अवरोध के बीच इस सेवा ने लोगों को वैश्विक संचार से जोड़े रखा था। विशेषज्ञों का मानना है कि स्टारलिक जैसी सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं स्थानीय नेटवर्क पर निर्भर नहीं होतीं, इसलिए इन्हें पूरी तरह नियंत्रित या बंद करना मुश्किल होता है। इसी कारण इन्हें संसदीय और इंटरनेट कटौती को व्यापक करने वाला एक प्रयास डिजिटल हथियार माना जा रहा है, जो भविष्य में वैश्विक राजनीति और अंतर्विरोध में अहम भूमिका निभा सकता है।

बांग्लादेश चुनाव: बीएनपी की बढ़त के बावजूद जमात का समर्थन क्यों कर रहे हैं चीन और पाकिस्तान

नई दिल्ली,।

बांग्लादेश में आम चुनाव अब केवल एक महीने दूर हैं और मौजूदा ओपिनियन पॉलस के मुताबिक तारीक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की जीत लगभग तय मानी जा रही है। इसके बावजूद चीन और पाकिस्तान का दुष्प्रभाव जमात-ए-इस्लामी की ओर बना हुआ है, जिसे लेकर क्षेत्रीय राजनीति में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। चीन और पाकिस्तान दोनों ही इस बात से वाकिफ हैं कि चुनावों में बीएनपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर सकती है, जबकि जमात-ए-इस्लामी दूसरे स्थान पर रहकर विपक्ष की भूमिका निभाएगी। इसके बावजूद दोनों देश जमात के साथ लगाव संपर्क और संबद्ध बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और पाकिस्तान जमात को भारत के प्रभाव के खिलाफ एक महत्वपूर्ण संतुलनकारी शक्ति के तौर पर देखते हैं। मुश्किल के मुताबिक, पाकिस्तानी अधिकारी विभिन्न स्तरों पर जमात के नेताओं के संपर्क में हैं। वहीं भारतीय एजेंसियां उस बैठक पर करीबी नजर बनाए हुए हैं, जिसमें बांग्लादेश में चीन के राजदूत वाओ वेन ने जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफ़ेकुर रहमान से मुलाकात की थी। बांग्लादेश मामलों के जानकारों का कहना है कि चीन अच्छी तरह समझता है कि सत्ता में न आने के बावजूद जमात को राजनीतिक और सामाजिक प्रासंगिकता बनी रहेगी। पार्टी के पास



मजबूत केंद्र, व्यापक संगठनात्मक ढांचा और बड़े संस्थानों में प्रभाव है। जमात के पास सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों को उतारने की क्षमता भी है, जिसका इस्तेमाल भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सकता है। वह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब भारत चीनवादी नेतृत्व के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। हाल

ही में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीएनपी संस्थापक खालिद जिया के अंतिम संस्कार में शिरकत की थी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शोक सन्देश सौंप था। अधिकारियों का कहना है कि भारत और चीनवादी के बीच रिश्तों में यह संभावित सुधार चीन और पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा। सुर्जों के अनुसार, दोनों देश चुनाव के बाद भी जमात के जरिए विरोध-प्रदर्शन और राजनीतिक अस्थिरता को बढ़ावा देने की रणनीति अपना सकते हैं। भारत के लिए एक अस्थिर बांग्लादेश गंभीर चुनौती बन सकता है, खासकर सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा हालात के लिहाज से। इससे घुमपैठ और अतर्की गतिविधियों का खतरा बढ़ सकता है, जिससे सुरक्षा एजेंसियां पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। खुफिया एजेंसियां का मानना है कि जब भी भारत बांग्लादेश में निवेश करेगा या द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की कोशिश करेगा, तब जमात को अस्थायी फैलाने के लिए अगे किंचा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

लंदन पुलिस डरती रही, वहीं साहसी सिखों ने यूमिंग गैंग के चंगुल से 14 साल की बच्ची को छुड़ाया



लंदन,।

लंदन पुलिस का बेहद अमानवीय और कायरतापूर्ण रवैया सामने आया है। यहां एक 14 साल की बच्ची यूमिंग गैंग के चंगुल में रही और दरिंदगी का शिकार होती रही। पुलिस से तमाम शिकायतें हुईं लेकिन डर के कारण कार्रवाई नहीं की गई। इसी बीच कुछ साहसी सिख युवकों ने बहादुरी दिखाते हुए इस बच्ची को गैंग से मुक्त कराने में सफलता हासिल की है। सिख समुदाय के सैकड़ों लोगों ने पाकिस्तानी यूमिंग गैंग के ठिकाने पर खाया बोला और एक 14 वर्षीय नाबालिग सिख लड़की को सुरक्षित मुक्त कराया। आरोप है कि इस मासूम बच्ची को अगवा कर एक फ्लैट में बंधक बनाया गया था, जहां कई दिनों तक उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसा घृणिता कृत्य किया गया। जानकारी के अनुसार, 14 साल की इस बच्ची को पाकिस्तानी मूल के एक युवक ने पहले यूमिंग के जरिए अपने प्रेम जाल में फंसाया और फिर उसे अगवा कर बेस्ट लंदन के एक फ्लैट में ले गया। पीड़िता को आपबीती रूढ़ कंपा देने वाली है। उसे एक कमरे में बंद कर दिख गया था और गैंग के करीब 5-6 सदस्यों ने उसके साथ बार-बार दरिंदगी की। बच्ची ने जब भी चारों से भागने या विरोध करने की कोशिश की, उसे जान से मारने की धमकी देकर चुप करा दिया गया। इस पूरे मामले में स्थानीय सिख समुदाय ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। समुदाय का आरोप है

कजाकिस्तान के ओस्केमेन में सड़क हादसा, भारतीय छात्र की मौत: दो घायल अस्ताना,।

कजाकिस्तान के ओस्केमेन शहर में हुए एक सड़क हादसे में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई, जबकि दो अन्य छात्र घायल हो गए। कजाकिस्तान स्थित भारतीय दूतावास ने मंगलवार को इस घटना की पुष्टि की है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में बताया कि सेमेय मेडिकल यूनिवर्सिटी के 11 भारतीय छात्र पूर्वी कजाकिस्तान के अल्ताई आल्प्स प्रमण के बाद ओस्केमेन शहर लौट रहे थे, तभी उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 25 वर्षीय छात्र मिली मोहन की मौत हो गई। वहीं, आशिका शौजनमिनी संतोष और जर्सेना की, घायल हो गई। दूतावास के अनुसार, दोनों घायल छात्राओं को उस्त-कोमेनोगोस्क स्थित सिटी हॉस्पिटल नंबर-1 में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बचाई जा रही है। दूतावास ने मुक्त छात्र के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और कहा है कि वह विच्यविद्यालय प्रशासन, अस्मताल अधिकारियों और पीड़ित परिवारों के लगातार संपर्क में है। भारतीय दूतावास ने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले 6 जनवरी 2026 को अल्माटी के पास हुए एक अन्य सड़क हादसे में भी दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य घायल हुए थे। उस मामले में दूतावास ने बताया था कि घायलों का इलाज जारी है और मृत छात्रों के पार्थिव शरीर को प्राथमिकता के आधार पर भारत भेजने की व्यवस्था की जा रही है। दूतावास ने कजाकिस्तान में भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय बनाए रखने की बात कही है और इस कठिन समय में परिजनों को हरसंभव सहायता देने का अवधान दिया है।



सीमा पर गोलीबारी के बाद बांग्लादेश ने म्यांमार के राजदूत को किया तलब

ढाका,।

बांग्लादेश ने म्यांमार की ओर से सीमा पर की गई गोलीबारी की घटना पर कड़ा रुख अपनाते हुए म्यांमार के राजदूत वु क्यॉ सो मोए को तलब किया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार दोपहर राजदूत को बुलाकर इस घटना पर गहरी चिंता जताई और विरोध दर्ज कराया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बताया कि हाल ही में म्यांमार की सीमा से बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले के टेकनाफ स्थित क्लडकॉंग युनिवन की ओर गोलीबारी की गई। इस सीमा पार फायरिंग में एक 12 वर्षीय बांग्लादेशी बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और स्थानीय लोगों में रोष है। बैठक के दौरान बांग्लादेश ने साफ शब्दों में कहा कि बिना किसी उकसावे के गोलीबारी करना अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। इसके साथ ही यह दोनों देशों के संबंधों के लिए भी गंभीर बाधा है। बांग्लादेश ने म्यांमार से इस घटना की पूरी जिम्मेदारी लेने और भविष्य में इस तरह की सीमा पार फायरिंग को पूरी तरह रोकने के लिए दोस कदम उठाने की मांग की। बांग्लादेश ने यह भी स्पष्ट किया कि म्यांमार के अंदर म्यांमार प्रशासन और वहां सशस्त्र समूहों के बीच जो भी स्थिति हो, उसका



असर किसी भी हालत में बांग्लादेश के अहम नागरिकों की जान और आजी-विवश पर नहीं पड़ना चाहिए। सीमा के दोनों ओर रहने वाले निदों लोगों की सु-रक्षा सर्वोपरि है और इसे किसी भी कीमत पर खतरे में नहीं डाला जा सकता। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए म्यांमार के राजदूत वु क्यॉ सो मोए ने बांग्लादेश को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। बांग्लादेश सरकार ने उम्मीद जताई है कि म्यांमार अपने वादे पर अमल करेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी, ताकि सीमा पर शांति बनी रहे और दोनों देशों के संबंध प्रभावित न हों।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने बदले माहौल में जापान के साथ अपने रिश्तों को बताया बेहद अहम

नागा,।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने मंगलवार को जापानी प्रधानमंत्री सने ताकाइची से कहा कि जटिल और तेजी से बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल को देखते हुए दोनों देशों के बीच सहयोग पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है। ली ने ताकाइची के साथ सिखर वार्ता की शुरुआत में ही ये बातें कहीं। उन्होंने जापान के कोरियाई प्रायद्वीप पर कब्जे के दर्दनाक अतीत को भुल, दोनों देशों से बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाने का आग्रह किया। योनाहाफ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ली ने कहा, एक जटिल और चौकाने वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के बीच, मेरा मानना है कि कोरिया और जापान के बीच सहयोग पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। ली ने इस महर्नि की शुरुआत में वॉजिंग में चीनी राष्ट्रपति सी जिनपिंग के साथ सिखर वार्ता की थी। वार्ता ऐसे दौर में हुई थी जब ताइवान पर ताकदारी की टिप्पणियों को लेकर वॉजिंग और टोक्यो के बीच तनाव बहुत घम पर था। ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया और जापान ने राजनयिक संबंध सामान्य होने के बाद सिलखे



60 सालों में अपने रिश्तों को सुधारा है। ताकाइची ने कहा कि यह क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए ली के साथ मिलकर काम करेंगे, और उम्मीद जताई कि उनकी बच्चा सोल-टोक्यो संबंधों की और बेहतर बनाने में मदद करेंगे। ली ने अर्बि-टीफिशियल इटिलिजेंस, अर्थव्यवस्था, समाज, संस्कृति और लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, भू-राजनीतिक अनिश्चिता बढ़ रही है, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में बहुपक्षवाद की परीक्षा हो रही है, और वैश्विक अपूर्ण श्रृंखलाओं के भीतर आपसी निर्भरता को हथियार बनाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए, मुझे उम्मीद है कि दोनों देश आपसी विश्वास के आधार पर एक दुजे का साथ निभाएंगे। ली संबंधों में सुधार की गति को बनाए रखने के उद्देश्य से शटल डिप्लोमसी पर हैं। नेतृत्व-स्वीच वाजा के हिस्से के रूप में वे जा रहा पहुंचे। इससे पहले दोनों नेताओं ने अक्टूबर के अंत में म्योंगजू में एशिया-प्राशांत आर्थिक सहयोग फोरम के मौके पर सिखर वार्ता की थी और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में हुए ऑफ 20 नेताओं की बैठक के दौरान एक संक्षिप्त मुलाकात की थी।

ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर ट्रंप ने लगाया 25 प्रतिशत टैरिफ, भारत पर भी असर

वॉशिंगटन,।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विदेश और आर्थिक नीति में एक बड़ा और सख्त कदम उठाते हुए ईरान पर रूस वाला फोर्मुला लागू कर दिया है। ट्रंप ने घोषणा की है कि दुनिया का जो भी देश ईरान के साथ व्यापारिक संबंध रखेगा, उसे अमेरिका के साथ किए जाने वाले अपने व्यापार पर भारी विलीय टैड भुगतान होगा। इस नए आदेश के तहत, ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर तत्काल प्रभाव से 25 प्रतिशत टैरिफ (अतिरिक्त शुल्क) लग दिया गया है। ट्रंप ने अपने खोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर इस फैसले के साथ किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है, उसे अमेरिका के साथ अपने व्यापारिक हितों पर इस अतिरिक्त कर का भुगतान करना होगा। ट्रंप के इस कड़े फैसले का सीधा असर भारत समेत उन कई देशों पर पड़ सकता है जिनके ईरान के साथ पुराने और मजबूत व्यापारिक संबंध हैं। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास के आंकड़ों के अनुसार,



भारत और ईरान बड़े करीबारी स-झेदार हैं और हाल के वर्षों में भारत, ईरान के बीच बंध व्यापारिक भागी-दर्यों में शामिल रहा है। भारत बड़े पैमाने पर ईरान को चावल, चाय, चीनी, दवाएँ, इलेक्ट्रिकल मशीनरी और कृत्रिम आपूर्ण जैसी वस्तुओं का निर्यात करता है। वहीं, भारत ईरान से सुखे मेवे, कार्बनिक व अकार्बनिक रसायन और कांच के सामान का आयात करता है। हालांकि, अमेरिका ने अभी तक विशेष रूप से भारत का नाम लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन यह वैश्विक आदेश सभी सहयोगी और व्यापारिक भागीदरों पर समान रूप से लागू होता दिखाई दे रहा है। ईरान के खिलाफ इस कड़े रख के पीछे

रूस का बड़ा दावा: यूक्रेन में मार गिराया अमेरिका का शक्तिशाली एफ-16 फाइटर जेट

रूसी मिसाइलों को मार गिराकर नागरिक ठिकानों की रक्षा की है। हालांकि, युद्ध के मौजूद हालात में किसी भी पक्ष के दावों को स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना बेतुह कठिन है। एफ-16 फाइटर फाल्कन की बात करें, तो यह लॉकहोड मार्टिन द्वारा विकसित दुनिया का एक सफल और बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। ध्वनि की गति से दोगुनी रफ़्तार से उड़ने वाला यह विमान आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और सटीक मार करने वाली मिसाइलों से लैस है। यूक्रेन के पास इन विमानों की संख्या बहुत सीमित है, ऐसे में अगर रूस का दावा सच साबित होता है, तो यह यूक्रेन की रक्षा क्षमता और अमेरिकी युद्धक तकनीक की साख के लिए एक बड़ा झटका होगा। फिलहाल, रणनीतिक विश्लेषक इस खबर की पुष्टि के लिए स्वतंत्र स्रोतों और उपग्रह चित्रों का इंतजार कर रहे हैं।



दूसरी ओर, यूक्रेन ने रूस के इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया है। यूक्रेन की तरह सक्रिय हैं और रूसी हमलों को नकारा जाइ सेंटर फॉर काउंटरिंग डिसेम्बरमिशन ने इसे रूसी दुष्प्रचार करार दिया है। यूक्रेनी वायुसेना का कहना है कि उनके एफ-16 बेड़े के विमान और पायलट अब भी पूरी तरह सक्रिय हैं और रूसी हमलों को नकारा कर रहे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक, इन विमानों ने अब तक सैकड़ों

रूसी मिसाइलों को मार गिराकर नागरिक ठिकानों की रक्षा की है। हालांकि, युद्ध के मौजूद हालात में किसी भी पक्ष के दावों को स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना बेतुह कठिन है। एफ-16 फाइटर फाल्कन की बात करें, तो यह लॉकहोड मार्टिन द्वारा विकसित दुनिया का एक सफल और बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। ध्वनि की गति से दोगुनी रफ़्तार से उड़ने वाला यह विमान आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम और सटीक मार करने वाली मिसाइलों से लैस है। यूक्रेन के पास इन विमानों की संख्या बहुत सीमित है, ऐसे में अगर रूस का दावा सच साबित होता है, तो यह यूक्रेन की रक्षा क्षमता और अमेरिकी युद्धक तकनीक की साख के लिए एक बड़ा झटका होगा। फिलहाल, रणनीतिक विश्लेषक इस खबर की पुष्टि के लिए स्वतंत्र स्रोतों और उपग्रह चित्रों का इंतजार कर रहे हैं।